राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 19 मई 2025 वर्ष-8,अंक-89 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

राजनाथसिंह और अमित शाह के बाद अब पीएम मोदी महीने के अंतिम सप्ताह गुजरात आएंगे

अहमदाबाद।

रक्षा मंत्री राजनाथसिंह और केन्द्रीय गृह मंत्री के बाद अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गुजरात दौरे की तैयारियां शुरू हो गई हैं7 ऐसी जानकारी है कि पीएम मोदी मई के आखिरी सप्ताह में गुजरात का दौरा करेंगे। अगर प्रधानमंत्री मोदी गुजरात आते हैं तो ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह उनका पहला गुजरात दौरा होगा। खबर है कि पीएम मोदी के दौरे को लेकर भुज एयरबेस, दाहोद और अहमदाबाद में कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात का दौरा कर सकते हैं। अपने गुजरात दौरे के दौरान पीएम मोदी कच्छ में माता का मढ़ के दर्शन भी कर सकते हैं7 इसके अतिरिक्त, कच्छ दौरे के दौरान एक सार्वजनिक सभा के आयोजन की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। जानकारी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 मई को दाहोद आ सकते हैं। जिसे लेकर दाहोद में मंत्री कुबेर डिंडोर की अध्यक्षता में एक बैठक हुई, जिसमें पीएम मोदी के दौरे की तैयारियों पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री मोदी 9000 एचपी इलेक्ट्रिक इंजन विनिर्माण परियोजना का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, वह विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे।

सरकार ने सशस्त्र बलों को दी ईपी-6 शक्तियां प्रदान, इमरजेंसी में खरीद सकेंगे हथियार

नई दिल्ली।

भारत ने साफ कहा है पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने के अपने तरीकों में सुधार नहीं करता है तो ऑपरेशन सिंदूर के तहत शत्रुता खत्म करना केवल एक 'रणनीतिक विराम' है। इसके बाद सरकार ने सशस्त्र बलों को ईपी-6 शक्तियां प्रदान की हैं। इनकी कुल बाहरी सीमा करीब 40,000 करोड़ रुपए है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि सेना, वायुसेना और नौसेना के लिए अपने हथियार भंडार को बढ़ाने और भरने के लिए इमरजेंसी खरीद-6 की मंजूरी कुछ दिन पहले ही रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अगुवाई वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा दी गई थी। पहले चार इमरजेंसी खरीद पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सैन्य टकराव के दौरान दिए गए थे। जबकि पांचवां आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए था। ईपी-6 के तहत, सशस्त्र बल सामान्य लंबी-चौड़ी खरीद प्रक्रिया का पालन करने के बजाय पूंजी और राजस्व दोनों प्रमुखों के तहत 300 करोड़ रुपए के प्रत्येक अनुबंध को तेजी से पूरा कर सकते हैं। एक अधिकारी ने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट्स को 40 दिनों में अंतिम रूप दिया जाना है। साथ ही डिलीवरी एक साल में पूरी की जानी है। तीनों सेनाओं के उप प्रमुखों की तरफ से शक्तियों का इस्तेमाला किया जाएगा। इससे सशस्त्र बलों को मिसाइलों और अन्य लंबी दूरी के हथियारों, लोइटर और सटीक-निर्देशित युद्ध सामग्री, कामिकेज ड्रोन और काउंटर-ड्रोन प्रणालियों के अलावा अन्य हथियारों और गोला-बारूद का भंडार करने में मदद मिलेगी। मौजूदा वित्त वर्ष के लिए तय समग्र रक्षा व्यय की कुल पूंजी और राजस्व खरीद पर 15 फीसदी की सीमा है। अधिकारी ने कहा कि सभी ईपी-6 खरीद वित्तीय सलाहकारों की सहमति से होनी चाहिए, जबकि आयात के लिए विशेष अनुमति की जरुरत होती है। उन्होंने कहा कि वास्तविक व्यय कुल 15 फीसदी बाहरी सीमा से कम होने की संभावना है, लेकिन यह सेनाओं को तत्काल परिचालन अंतराल को पूरा करने और 7 से 10 मई तक चार दिनों की भीषण शत्रुता में खत्म हुए गोला-बारूद के भंडार को फिर से भरने के लिए अपेक्षित लचीलापन देता है।

अमेरिका के टोरनेडो में तूफान ने पूरी रात मचाई तबाही, 27 की गई जान, हजारों हुए बेघर

टोरनेडो।

अमेरिका के टोरनेडो में आए तूफान ने तबाही मचा दी। यहां 27 लोगों की जान चली गई जबकि हजारों लोग बेघर हो गए। मिडवेस्ट और साउथ के राज्यों में आधी रात को आए इस काल ने कम से कम 27 लोगों की जान ले ली। हर तरफ तबाही के सबूत बिखरे पड़े हुए थे। अमेरिकी दक्षिणी राज्य केंटकी और मिसूरी मानों पूरी तरह से उजड़ गए हैं। हजारों-लाखों लोग बेघर हो गए है। गवर्नर एंडी बेशर ने बताया कि उनके राज्य में 18 लोगों की मौत हुई, जिसमें 17 मौतें लॉरेल काउंटी में और एक पलास्की काउंटी में हुई। मिसूरी में सात लोगों की जान गई, जबकि उत्तरी वर्जीनिया में दो लोगों की मौत पेड़ गिरने से हुई। केंटकी में 10 लोग गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। यूएस 17 मई, 2025 को आए तूफ़ान में किम्बर्ली वेल्स अपने घर को हुए नुकसान के बाद अपने सामान को खंगाल रही हैं। वेल्स के कई दोस्त और परिवार के सदस्य तूफ़ान के अगले दिन नुकसान की सफ़ाई में मदद करने के लिए पहुंचे थे। हलॉरेल काउंटी में टोरनेडो ने घरों को तहस-नहस कर दिया। लंदन की रहने वाली कायला पैटरसन ने बताया कि वह अपने पति और पांच बच्चों के साथ बेसमेंट में टब में छिप गई थीं। उन्होंने कहा, 'दूर से चीजें टूटने और कांच चटकने की आवाजें आ रही थीं। ऐसा लग रहा था कि मालगाड़ी पटरी पर आवाज करती जा रही है। मेरे घर को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन आस पड़ोस के घर आंधी में ध्वस्त हो गए। शेरिफ के कार्यालय ने रातभर और सुबह तक बचे लोगों की खोज की। एक स्थानीय हाई स्कूल में आपातकालीन आश्रय बनाया गया। ग्रोवर फिशबेक एक कमरे के दरवाजे के चौखट पर खड़े होकर किम्बर्ली वेल्स के घर को हुए नुकसान को देख रहे हैं, जब मोर्गनफील्ड, केंटकी में तूफानों की एक श्रृंखला आई थी। मिसूरी में सेंट लुइस की मेयर कारा स्पेंसर ने बताया कि उनके शहर में पांच लोगों की मौत हुई। शुक्रवार को टोरनेडो में 38 घायल हुए और 5,000 से अधिक घर तबाह हो गए। उन्होंने कहा, ÷यह तबाही दिल तोड़ने वाली है।÷ सबसे प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू लागू है। सेंट लुइस के सेंटेनियल क्रिश्चियन चर्च का हिस्सा ढह गया, जिसमें एक महिला पैट्रिशिया पेनल्टन की मौत हो गई। सेंट लुइस जू में तितली सुविधा की छत क्षतिग्रस्त हुई और तितलियों को चेस्टरफील्ड कंजर्वेटरी में रख दिया गया है। स्कॉट काउंटी में टोरनेडो से दो लोगों की मौत हुई और कई घर नष्ट हो गए। केंटकी में पहले भी ऐसी आपदाएँ आ चुकी हैं। 2021 में टोरनेडो से 81 लोगों की मौत हुई थी, 2022 में बाढ़ से दर्जनों लोग मारे गए थे। शोधकर्ताओं के अनुसार, पारंपरिक 'टोरनेडो एले' (ओक्लाहोमा, कंसास) की तुलना में अब मिड-साउथ में टोरनेडो ज्यादा हो रहे हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी कि टेक्सास, ओक्लाहोमा, और अरकंसास में रविवार तक बड़े ओले, तेज हवाएं और टोरनेडो का खतरा बना रहेगा। लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। मौसम विभाग ने पहले चेतावनी जारी नहीं की।

योगी सरकार की बड़ी पहल : 1990 से पहले के संपूर्ण राजस्व अभिलेखों के डिजिटलाइजेशन की तैयारी

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सूबे में डिजिटल क्रांति की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने की तैयारी है। स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग ने पुराने राजस्व अभिलेखों और लेखपत्रों को शाश्वत काल तक सुरक्षित रखने के लिए डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। इसके तहत अब 1990 से पहले के संपूर्ण राजस्व अभिलेखों को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की तैयारी चल रही है और जल्द ही इस कार्य के लिए संस्था का चयन किया जाएगा। विभाग चरणबद्ध तरीके से पुराने अभिलेखों की स्कैनिंग और डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा कर रहा है। विभाग की ओर से मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत की गई प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2025 तक 2002 से 2017 तक के विलेखों का डिजिटलाइजेशन 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। वहीं, 1990 से 2001 तक के विलेखों के डिजिटलाइजेशन के लिए यूपीडीईएससीओ की ओर से टेंडर प्रक्रिया चल रही है। अब तीसरे चरण में 1990 से पहले के अभिलेखों को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की योजना पर काम शुरू होने जा रहा है। इस डिजिटलाइजेशन प्रक्रिया से राजस्व से जुड़े दस्तावेजों तक पहुंच आसान हो जाएगी।

स्कैनिंग के बाद अभिलेखों की हार्डकॉपी को सेंट्रल रिकॉर्ड रूम में शिफ्ट किया जाएगा, जिससे उपनिबंधक कार्यालयों में पुरानी फाइलों के अंबार से राहत मिलेगी।

इससे न केवल कार्यालयों में स्थान की उपलब्धता बढ़ेगी, बल्कि अभिलेखों की दीर्घकालिक सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की डिजिटल गवर्नेंस की यह पहल न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को आधुनिक बना रही है, बल्कि जनता को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। डिजिटल अभिलेखों के माध्यम से जानकारी प्राप्त करना सुगम होगा और पुराने दस्तावेजों को खोजने में लगने वाला समय और संसाधन बचेगा। यह कदम उत्तर प्रदेश को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

लश्कर कमांडर आतंकी सैफुल्लाह पाकिस्तान में ढेर

भारत में हुए तीन बड़े हमलों से जुड़ा था नाम, अज्ञात हमलावरों ने मारी गोली

नई दिल्ली।

लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख कमांडर आतंकी सैफुल्लाह खालिद को पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हलाक कर दिया। भारत में हुए कई आतंकी हमलों में नाम जुड़े होने के कारण सैफुल्लाह इंडिया में मोस्ट वांटेड आतंकी था। जानकारी अनुसार लश्कर कमांडर सैफुल्लाह लंबे समय से नेपाल से अपने नापाक इरादों को अमली जामा पहनाने में लगा हुआ था। फिलहाल वह पाकिस्तान के सिंध प्रांत के मतली, बदीन कैंप से अपने काम को अंजाम दे रहा था। भारत में अलग-अलग समय में हुए बड़े आतंकी हमलों से उसका नाम जुड़ा हुआ था। इन हमलों में महाराष्ट्र के नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय में साल 2006 में हमले की साजिश रचने वालों में शामिल रहा। राहत की बात यह रही कि इस साजिश को पुलिस ने नाकाम कर तीन आर्तकियों को मार गिराया था। इससे पहले बेंगलुरु में साल 2005 में भारतीय विज्ञान संस्थान के ऑडिटोरियम में हुए आतंकी हमले और उत्तर प्रदेश के रामपुर में स्थित सीआरपीएफ कैंप पर 2008 में किए गए आतंकी हमले में भी सैफुल्लाह का हाथ रहा। आतंकी हमलों के साजिशकर्ताओं में लश्कर कमांडर सैफुल्लाह का नाम प्रमुखता से लिया जाता रहा है। अब सूत्रों से जानकारी मिली है कि पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर उसे ढेर कर दिया है।

अनधिकृत निर्माण मामले में अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को होगी परेशानी

मुंबई महानगरपालिका ने जारी किया कारण बताओ नोटिस

मुंबई।

मुंबई महानगरपालिका ने बॉलीवुड स्टार मिथुन चक्रवर्ती को नोटिस जारी किया है। उन्हें मुंबई मनपा अधिनियम की धारा 475 ए के तहत मुकदमा चलाने की चेतावनी दी गई है। इससे दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। दरअसल मनपा ने मिथुन चक्रवर्ती को मलाड में उनके ग्राउंड और मेजानाइन फ्लोर के अनधिकृत निर्माण के लिए कारण बताओ नोटिस भेजा है। मेजानाइन फर्श एक आंशिक फर्श होता है, जो आमतौर पर दो मंजिलों के बीच स्थित होता है। उधर मिथुन चक्रवर्ती ने कहा है कि निर्माण अनधिकृत नहीं है। इस संबंध में मिथुन चक्रवर्ती ने अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्हें यह नोटिस मालाड के एरंगल में चल रहे मनपा के अभियान के तहत मिला। उन्होंने कहा, मैंने कोई अवैध या अनधिकृत निर्माण नहीं किया है। यहां सभी को नोटिस भेजे गए हैं, हम उनका जवाब दे रहे हैं।

- क्या लिखा है नोटिस में ?

10 मई को मनपा द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस के अनुसार, मुंबई मनपा ने अनधिकृत निर्माण के लिए मुंबई महानगरपालिका अधिनियम की धारा 475 ए के तहत मुकदमा चलाने की चेतावनी दी है। धारा 475ए किसी भी अनधिकृत निर्माण को न हटाने पर जुर्माना लगाती है। प्रस्ताव में दो भूतल मेजानाइन स्तर की इकाइयां और तीन अस्थायी 10×10 इकाइयां शामिल हैं, जिनका निर्माण ईंट की चिनाई वाली दीवारों, लकड़ी के तख्तों, कांच के विभाजन और एसी शीट छत के संयोजन का उपयोग करके किया गया है। मनपा अधिकारियों के अनुसार, इस भूखंड पर निर्माण कार्य सक्षम प्राधिकारियों की अनुमति के बिना किया गया है। इस नोटिस में मनपा ने मिथुन चक्रवर्ती से पूछा है कि वे बताएं कि इस इमारत या कार्य को क्यों न हटाया जाए या इसमें परिवर्तन किया जाए या इसे ध्वस्त किया जाए या फिर इस स्थल का उपयोग बहाल क्यों न किया जाए। जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। नोटिस में कहा गया है कि यदि कारण पर्याप्त नहीं हुआ तो भवन को मालिक के जोखिम और खर्च पर ध्वस्त कर दिया जाएगा। इसके अलावा, मनपा ने चेतावनी दी है कि दोषी व्यक्ति पर मुकदमा भी चलाया जा सकता है। महानगरपालिका अधिनियम की धारा 475 ए के अनुसार, यह कृत्य जुर्माने और कारावास से दंडनीय है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने थामा प्रशांत किशोर का दामन

पटना।

इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों ने अपनी कमर कस ली है। इसी बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे आरसीपी सिंह रविवार को जन सुराज में शामिल हो गए। इसके साथ ही उनकी पार्टी 'आप सबकी आवाज' (आशा) का भी जन सुराज में विलय हो गया। पटना में जन सुराज पार्टी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह ने प्रशांत किशोर की पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने आरसीपी सिंह के जन सुराज में आने का स्वागत किया। प्रशांत किशोर ने कहा कि आरसीपी सिंह जैसे लोग अगर जन सुराज में आते हैं तो उनका स्वागत है। रोज कोई न कोई जन सुराज से जुड़ रहा है। जो भी इस पार्टी में आ रहा है, वह बड़े चेहरे ही हैं। उन्होंने कहा कि बड़ा चेहरा छोटे चेहरे को ही फॉलो करता है, जहां समाज रहेगा नेता अपने आप आएगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने थामा प्रशांत किशोर का दामन

पटना।

इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों ने अपनी कमर कस ली है। इसी बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे आरसीपी सिंह रविवार को जन सुराज में शामिल हो गए। इसके साथ ही उनकी पार्टी 'आप सबकी आवाज' (आशा) का भी जन सुराज में विलय हो गया। पटना में जन सुराज पार्टी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह ने प्रशांत किशोर की पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने आरसीपी सिंह के जन सुराज में आने का स्वागत किया। प्रशांत किशोर ने कहा कि आरसीपी सिंह जैसे लोग अगर जन सुराज में आते हैं तो उनका स्वागत है। रोज कोई न कोई जन सुराज से जुड़ रहा है। जो भी इस पार्टी में आ रहा है, वह बड़े चेहरे ही हैं। उन्होंने कहा कि बड़ा चेहरा छोटे चेहरे को ही फॉलो करता है, जहां समाज रहेगा नेता अपने आप आएगा।

इसरो के 101वें सैटेलाइट का लॉन्च विफल

तीसरे स्टेज में गड़बड़ी आई

श्रीहरिकोटा।

इसरो ने रविवार सुबह 5.59 मिनट बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पोलर सैटेलाइट लॉन्चिंग व्हीकल के जरिए अपना 101वां सैटेलाइट ईओएस-09 (अर्थ ऑब्जर्वेटरी सैटेलाइट) लॉन्च किया, लेकिन ये लॉन्चिंग सफल नहीं हो सकी। पहले और दूसरे फेज में सफल होने के बाद तीसरे फेज में ईओएस-09 में गड़बड़ी का पता चला। इसरो चीफ वी नारायणन ने कहा कि रविवार को 101वें प्रक्षेपण का प्रयास किया गया, पीएसएलवी 61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य था। तीसरे चरण में ऑब्जरवेशन के कारण मिशन पूरा नहीं हो सका है। यह पीएसएलवी की 63वीं उड़ान थी, जबकि पीएसएलवी-एक्सएल कॉन्फिगरेशन का इस्तेमाल करते हुए 27वीं उड़ान थी। इसरो के पूर्व वैज्ञानिक मनीष पुरोहित ने बताया था कि ईओएस-09 पहले के आरआईएसएटी-1 का फॉलो ऑन मिशन है। इसरो ने एक्स पोस्ट में लॉन्चिंग के बारे में लिखा- ईओएस-09 की ऊंचाई 44.5 मीटर है। वजन 321 टन है। यह 4 फेज में बनाया गया है। मिशन

में ईओएस-09 सैटेलाइट को सन सिंक्रोनस पोलर ऑर्बिट में स्थापित करना था। ईओएस-09 रिमोट सेंसिंग डेटा देने के लिए डिजाइन किया गया है। ईओएस-09 को खासतौर पर घुसपैठ या संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसे पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद एंटी टेररिस्ट ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारतीय सांसदों का प्रतिनिधिमंडल 33 देशों में खोलेगा पाकिस्तान की पोल

डेलिगेशन पर मचा बवाल

59 सदस्य में सबसे अधिक चर्चा में कांग्रेस सांसद शशि थरूर

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान की भूमिका और उसके जवाब में ऑपरेशन सिंदूर पर भारत का पक्ष दुनिया के सामने रखने के लिए केंद्र सरकार ने सात डेलिगेशन गठित किए हैं, जिनमें अलग-अलग दलों के 51 सांसद और पूर्व मंत्री शामिल हैं। इसके अलावा भारतीय विदेश मंत्रालय के 8 अधिकारी भी इन प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा हैं। बैजयंत पांडा(भाजपा), रविशंकर प्रसाद (भाजपा), संजय कुमार झा (जदयू), श्रीकांत शिंदे (शिवसेना), शशि थरूर (कांग्रेस), कनिमोझी करुणानिधि (डीएमके) और सुप्रिया सुले (राकांपा-सपा) के नेतृत्व में ये सातों प्रतिनिधिमंडल कुल 32 देशों और आखिरी में सभी 59 सदस्य बेल्जियम के ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ मुख्यालय का दौरा करेंगे। लेकिन सांसदों के चयन पर बवाल मच गया है। दरअसल, कांग्रेस ने जिन चार सांसदों का नाम डेलिगेशन के लिए भेजा था उनको दरकिनार कर शशि थरूर को शामिल किया है।

बात करें कांग्रेस की तो कांग्रेस द्वारा सुझाए गए चार नामों में से सिर्फ आनंद शर्मा को प्रतिनिधियों की सूची में शामिल किया गया। शेष तीन नाम- गौरव गोगोई, सैयद नसीर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वारिंग को जगह नहीं दी गई। बल्कि सूची से परे हटकर प्रतिनिधिमंडल में शशि थरूर, मनीष तिवारी, अमर सिंह और सलमान खुर्शीद को शामिल किया है।

झचार नेताओं में से केवल एक को ही स्थान दिए जाने पर कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने आपत्ति भी जताई है। उन्होंने एक बयान में कहा कि यह नरेंद्र मोदी सरकार की पूर्ण निष्ठाहीनता को साबित करता है तथा गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों पर उसके द्वारा खेले जाने वाले सस्ते राजनीतिक खेल को दर्शाता है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के आग्रह पर शामिल किए गए चार प्रतिष्ठित कांग्रेस सांसद/नेता निश्चित रूप से प्रतिनिधिमंडल के साथ जाएंगे और अपना योगदान देंगे।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा हि एक मिशन एक संदेश एक भारत सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही ऑपरेशन सिंदूर के तहत प्रमुख देशों से संपर्क करेंगे, जो आतंकवाद के खिलाफ हमारे सामूहिक संकल्प को दर्शाता है।' प्रतिनिधिमंडल में पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद, एमजे अकबर, आनंद शर्मा, वी मुरलीधरन, सलमान खुर्शीद और एसएस अहलूवालिया शामिल हैं, जो वर्तमान में संसद सदस्य नहीं हैं। **हर डेलिगेशन में मुस्लिम चेहरा**

गौरतलब है कि, इन सातों डेलिगेशन में शामिल सदस्यों में सत्ताधारी गठबंधन एनडीए के 31 और विपक्षी दलों के 20 सांसद व पूर्व मंत्री शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहलगाम त्रासदी : नफरत की तेज़ होती आंधी

पाकिस्तान बनने के बाद यह प्रोपेगेंडा कि पाकिस्तान के निर्माण के लिए मुसलमान जिम्मेदार हैं, नफरत फैलाने का एक नया औजार बन गया। हकीकत यह है कि दो देश, भारत और पाकिस्तान एक साथ बने थे। मुस्लिम बहुल इलाके पाकिस्तान का हिस्सा बने। मुस्लिम-विरोधी प्रोपेगेंडा का एक नया मुद्दा बन गया कश्मीर का पेंचीदा मामला। 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के कश्मीर से पलायन का इस्तेमाल भी मुसलमानों खिलाफ किया गया। जब यह पलायन हुआ था तब भाजपा समर्थित वी। पी। सिंह सरकार केन्द्र में सत्ता में थी और भाजपा की विचारधारा वाले जगमोहन कश्मीर के राज्यपाल थे।

(लेखक - राम पुनियानी)

पहलगाम के पास बैसरन में 26 पर्यटकों की हत्या हाल के समय की सबसे भीषण त्रासदियों में से एक है। बैसरन एक अत्यंत रमणीक स्थान है जहां सिर्फ घोड़े पर सवार होकर या ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर पैदल चलकर पहुंचा जा सकता है।

इस हत्याकांड से सारा देश गहन शोक में डूब गया। यद्यपि आतंकवादियों ने पर्यटकों की हत्या उनके धर्म की पहचान करके की थी, लेकिन हमले का शिकार होने वालों में एक स्थानीय मुसलमान घोड़े वाला, जो पर्यटकों के साथ आया था, भी था। वह तब मारा गया जब उसने आतंकियों का विरोध किया। कश्मीरी कुलियों ने पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया और कश्मीरियों ने अपने घरों और मस्जिदों के दरवाजे मेहमानों के लिए खोल दिए। कश्मीर में बंद का आयोजन किया गया और 'हिंदू मुस्लिम एकता' का संदेश देने वाले कई जुलूस निकाले गए। सारे देश में मुसलमानों और अन्यों ने मोमबत्ती जुलूस निकाले और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

लगभग इन्हीं तारीखों में मोदीजी की कश्मीर यात्रा तय की गई थी। लेकिन निर्धारित तिथि के कुछ ही दिन पहले उसे रद्द कर दिया गया। घटना के समय वे सऊदी अरब में थे। घटना के बाद वे अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर स्वदेश रवाना हो गए। किंतु वापिस अपने के बाद कश्मीर जाने के बजाए वे एक चुनावी रैली में भाग लेने के लिए बिहार चले गए जहां उन्होंने आतंकियों को अंग्रेजी में कड़ी चेतावनी दी। आतंकी मुसलमान थे और मारे गए लोग हिंदू थे। इसे दबे-छिपे ढंग से इस घटना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू बना दिया गया।

डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की। मोदीजी ने इस बारे में कुछ अलग बात कही। इस बीच गोदी मीडिया की बन आई और उसने नफरत फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वे अपने शानदार आरामदायक स्टूडियो में बैठे-बैठे पाकिस्तान के विभिन्न शहरों पर भारतीय सेना का कब्जा होने की खबरें देते रहे। गोदी मीडिया अपने निम्नतम स्तर पर पहुंच गया और उसने पत्रकारिता की आचार संहिता के उल्लंघन का नया रिकार्ड कायम किया, जिसे वह बहुत पहले ताक पर रख चुका है।

इस सबका सबसे बुरा नतीजा मुसलमानों के प्रति नफरत में बढ़ोत्तरी के रूप में सामने आया। सारा देश इस्लामोफोबिया के सैलाब में डूब गया और इसकी तीव्रता और स्तर अकल्पनीय ऊंचाई तक पहुंच गए। लातूर में एक मुसलमान पर पाकिस्तानी होने का लेबिल चस्पा कर उसकी बुरी तरह पिटाई गई। उसे इतना अपमान महसूस हुआ कि उसने आत्महत्या कर ली। उत्तराखंड के एक हॉस्टल में कश्मीरी छात्रों को आधी रात को बाहर निकाल दिया गया और उन्हें देहरादून विमानतल के बाहर रात बितानी पड़ी। सबसे बुरी हरकत मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह ने की। उन्होंने भारतीय सेना की प्रवक्ता कर्नल सोफिया कुरैशी को 'आतंकवादियों की बहन' बताया। बाद में बात संभालने के लिए उन्होंने माफी मांग ली।

सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसायटी एंड सेक्यूलरिज्म, मुंबई की मिथिला राऊत ने दैनिक लोकसत्ता (मराठी) में प्रकाशित अपने एक लेख में विभिन्न समाचारपत्रों में छपी खबरों के आधार पर मुसलमानों के खिलाफ हुई नफरत-जनित हरकतों की जानकारी प्रस्तुत की है। उनके लेख के मुताबिक पहलगाम हमले के बाद कई मुस्लिम विरोधी घटनाएं हुईं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं में से एक उत्तरप्रदेश के शामली के ठोडा गांव में हुई जहां गोविंद ने सरफराज पर हमला किया। गोविंद ने कहा कि तुमने हमारे 26 मारे हम भी तुम्हारे 26 मारेंगे! पंजाब के डेरा बस्सी में यूनिवर्सल समूह के छात्रावास में कश्मीरी छात्रों पर हमला किया गया।

मसूरी में रहने वाले शब्बीर धर नाम के एक कश्मीरी, जो शाल बेचते थे, और उनके सहायक पर हमला किया गया और उन्हें पहलगाम की हत्याओं का कुसूरवार बताते हुए धमकाया गया कि यदि वे दुबारा वहां नजर आए तो बहुत बुरा होगा। हरियाणा के रोहतक नाम के गांव में मुस्लिम निवासियों को धमकाया गया और उनसे 2 मई तक गांव छोड़ देने के लिए कहा गया।

ये तो केवल कुछ घटनाएं हैं जिनका विवरण समाचारपत्रों से पता लगा है। लेकिन इनसे यह साफ जाहिर है कि नफरत किस हद तक बढ़ गई है। समाज में माहौल धीरे-धीरे खराब हो रहा है। हिंदू दक्षिणपंथियों ने पहले से ही मुस्लिम विरोधी वातावरण बनाया हुआ है। शुरूआत में आरएसएस शाखाओं में मध्यकालीन इतिहास को तोड़-मरोड़ कर मुसलमानों के प्रति नफरत फैलाई गयी। हाल के कुछ सालों में गोदी मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए मुसलमानों की शत्रु की छवि बनाई गई।

इतिहास गवाह है कि पाकिस्तान के निर्माण से साम्प्रदायिक राजनीति करने वालों को एक नया हथियार मिल गया और उन्होंने यह कहना शुरू कर दिया कि पाकिस्तान बनने के लिए मुसलमान जिम्मेदार हैं। यह पूरी तरह से इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने वाली बात थी क्योंकि पाकिस्तान के निर्माण की तीन वजहें थीं - अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति, मुस्लिम साम्प्रदायिकता और हिन्दू साम्प्रदायिकता। द्विराष्ट्र सिद्धांत सबसे पहले हिन्दुत्ववादी विचारक विनायक दामोदर सावरकर ने पेश किया था।

पाकिस्तान बनने के बाद यह प्रोपेगेंडा कि पाकिस्तान के निर्माण के लिए मुसलमान जिम्मेदार हैं, नफरत फैलाने का एक नया औजार बन गया। हकीकत यह है कि दो देश, भारत और पाकिस्तान एक साथ बने थे। मुस्लिम बहुल इलाके पाकिस्तान का हिस्सा बने। मुस्लिम-विरोधी प्रोपेगेंडा का एक नया मुद्दा बन गया कश्मीर का पेंचीदा मामला। 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के कश्मीर से पलायन का इस्तेमाल भी मुसलमानों खिलाफ किया गया। जब यह पलायन हुआ था तब भाजपा समर्थित वी। पी। सिंह सरकार केन्द्र में सत्ता में थी और भाजपा की विचारधारा वाले जगमोहन कश्मीर के राज्यपाल थे। इन सभी तथ्यों को नजरअंदाज करते हुए मुसलमानों को पंडितों के पलायन की मुख्य वजह बताते हुए उनके प्रति घृणा को और बढ़ाया गया।

इस तरह एक के बाद एक कई मसलों का इस्तेमाल भारतीय मुसलमानों को सताने के लिए किया गया। इन दिनों भाईचारे की बातें बहुत कम सुनायी पढ़ती हैं और हर घटना का इस्तेमाल मुसलमानों के प्रति पहले व्याप्त नफरत को और बढ़ाने के लिए किया जाता है। इस नफरत का इस्तेमाल आरएसएस-भाजपा हिंदू राष्ट्र के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए करते हैं।

पहलगाम के मसले से भारतीय कूटनीति की बदलती प्रकृति भी सामने आ गई है। 1972 में इंदिरा गांधी और जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच हुए शिमला समझौते के अनुसार सारे मसलों का समाधान किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के बिना द्विपक्षीय आधार पर ही किया जाना है। लेकिन अब तो पूरे मसले पर डोनाल्ड ट्रंप हावी हैं। नरेन्द्र मोदी उनका मुकाबला करने में अक्षम हैं। इससे समीकरण बदल गए हैं। वैश्विक स्तर पर ज्यादा देश भारत के पक्ष में खड़े नहीं हुए।

मुख्या मुद्दा यह है कि कश्मीर का मसला अटल बिहारी वाजपेयी के इंसानियत, कश्मीरियत और जम्हूरियत के नारे के आधार पर सुलझाया जाए। हम अपने पड़ोसियों के साथ शांति से रहें, यह बहुत जरूरी है। वाजपेयी ने ही कहा था कि हम अपने मित्र तो चुन सकते हैं लेकिन अपने पड़ोसी नहीं चुन सकते। पाकिस्तान के प्रति दक्षिणपंथियां की नफरत और उसके साथ नफरती गोदी मीडिया की बकवास का नतीजा भारतीय मुसलमानों को भुगतना पड़ता है। इससे देश में सौहार्दपूर्ण माहौल कायम रखना मुश्किल हो जाता है।

पहलगाम के मसले के चलते और गहरी होती साम्प्रदायिकता की समस्या को समझने की जरूरत है और देश में शांति और समृद्धि के लिए नफरत और जंग की वकालत करने वालों को नकारना आवश्यक है। अब तक मुसलमानों को पाकिस्तानी कहकर गाली दी जाती थी अब उसमें कश्मीरी शब्द भी जुड़ गया है। इसका इस्तेमाल उनके प्रति नफरत बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

संपादकीय

चीन प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर

ऐसे वक्त में जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये पाक को सबक सिखाया है, चीन प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन करता नजर आ रहा है। चीन-पाक की दुरभिसंधि दशकों पुरानी है लेकिन उसकी हालिया करतूतों की टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वह न केवल पाकिस्तान की सैन्य व आर्थिक मदद ही कर रहा है बल्कि चीनी सरकारी मीडिया भी कुप्रचार व भ्रामक समाचार फैलाने में पाक के साथ खड़ा नजर आ रहा है। अब उसने अपनी नई करतूत अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलकर उजागर की है। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। लगातार तीसरे साल चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदला है। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। जैसा कि उम्मीद भी थी, भारत सरकार ने चीन के इन बेतुके दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। नई दिल्ली ने बीजिंग के इस बेतुके-निराधार दावे को सिरे से नकार दिया है। भारत सरकार ने फिर से दोहराया है कि 'अरुणाचल भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था और हमेशा रहेगा।' दरअसल, चिंता की बात यह है कि चीन ने यह करतूत ऐसे समय में की है जब पहलगाम हमले और उसके जवाब में सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के चलते भारत-पाक के बीच तनाव कायम है। निश्चय ही इन स्थितियों में चीन का यह भड़काऊ कदम है। यहां उल्लेखनीय है कि भारतीय उपमहाद्वीप में हाल ही में हुई उथल-पुथल के दौरान पाकिस्तान को उसके सदाबहार दोस्त बीजिंग का भरपूर समर्थन मिला है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। भले ही वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा करता हो। निस्संदेह, ऐसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। बीते वर्ष विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने व्यंग्यात्मक लहजे में एक सवाल पूछा था, 'अगर आज मैं आपके घर का नाम बदल दूं तो क्या वो मेरा हो जाएगा?' लेकिन निर्विवाद रूप से चीन ने विदेश मंत्री के इस संदेश को नजरअंदाज ही किया है। इतना ही नहीं वह फिर से भौगोलिक क्षेत्रों के नामों के मनमाने मानकीकरण के साथ आगे बढ़ गया है। लेकिन सवाल इस करतूत के समय का है। जाहिर बात है कि बीजिंग ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। उस पाकिस्तान को, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कड़ी चेतावनी दी थी। प्रधानमंत्री ने सिर्फ और सिर्फ पाकिस्तान द्वारा कब्जाए कश्मीर पर ही बातचीत करने की बात कही थी। ऐसे में चीन ने अरुणाचल पर अपने क्षेत्रीय दावे से फिर से पाकिस्तान का मनोबल बढ़ाने का कुत्सित प्रयास किया। यह जानते हुए भी उसके दावे निराधार हैं। वहीं दूसरी ओर मोदी सरकार ने चीन के सरकारी मीडिया, खासकर ग्लोबल टाइम्स द्वारा कथित तौर पर फैलाए जा रहे पाकिस्तानी दुष्प्रचार के मामले को गंभीरता ले लिया है।

सोशल मीडिया पर देह की नुमाइशः सशक्तिकरण या आत्मसम्मान का संकट?

(लेखक--प्रियंका सौरभ)

लाइक्स की दौड़ में खोती पहचान- नारी सशक्तिकरण का असली मतलब सोशल मीडिया पर नारी देह का बढ़ता प्रदर्शन क्या वाकई सशक्तिकरण है या महज़ लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़? क्या हम सच्ची आज़ादी की ओर बढ़ रहे हैं या एक डिजिटल पिंजरे में कैद हो रहे हैं? क्या आत्मसम्मान की जगह केवल देह की नुमाइश रह गई है? क्या महिलाओं की पहचान अब सिर्फ उनके शरीर के आकार तक सिमट गई है? यह सवाल आज की डिजिटल पीढ़ी के सामने एक बड़ी चुनौती है, जो सशक्तिकरण और आत्मसम्मान के असली मायने खोजने की मांग करता है।

तो सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे?

क्या हो गया है आजकल औरतों को? सोशल मीडिया पर उठते कोलाहल में हर ओर एक ही स्वर गूंज रहा है - देह प्रदर्शन का। कहीं चटकते-फड़कते रील्स में, कहीं भड़कते-उलझते डांस मूव्स में, और कहीं ज़ूम इन होती नज़रों के बीच, बस एक ही प्रदर्शन - अपनी चपल देह की अदा का। मानो देह ही पहचान बन गई हो।

सच पूछो तो इस दौर में देह का कारोबार जितना खुलकर हो रहा है, उतना पहले कभी न हुआ था। सोशल मीडिया ने देह को एक प्रॉडक्ट बना दिया है, जिसे जितना ज्यादा दिखाओ, उतना ज्यादा लाइक्स, फॉलोअर्स और व्यूज़ बटोर लो। मानो आत्मसम्मान का कद अब कमेंट्स की लंबाई और लाइक्स की संख्या से मापा जाने लगा हो।

वो जो कभी सभ्यता की पहचान थी, अब डिजिटल हाट बाजार में बिक रही है। जिस समाज में नारी का सम्मान उसकी आंखों की लज्जा, चेहरे की सौम्यता और आचरण की मर्यादा से आंका जाता था, वहां आज उसका अस्तित्व उसके चोली के घेरे और पिंडलियों की नुमाइश में सिमट कर रह गया है।

यह डिजिटल क्रांति का अजीब दौर है, जहां औरतें बोल्ड होने का झूठा अर्थ बदन दिखाने से जोड़ बैठी हैं। यह कैसी आज़ादी है, जहां अपनी पहचान की कीमत देह के टुकड़ों में चुकानी पड़े? औरतें खुद को जिस फेमिनिज्म की आड़ में उभार रही हैं, क्या वो असल में नारी शक्ति का उत्थान है, या महज़ लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़?

सोचिए, इस देह प्रदर्शन की होड़ में कितनी महिलाएं खुद को खो रही हैं? क्या यह वाकई सशक्तिकरण है या एक नया बंधन, जहां औरतें एक डिजिटल पिंजरे में फंसती जा रही हैं, अपनी असली पहचान को खोकर बस एक देह भर बनती जा रही हैं?

नारी स्वतंत्रता का अर्थ तो आत्मसम्मान, शिक्षा, और निर्णय लेने की स्वतंत्रता था, न कि केवल बदन दिखाने का अधिकार। ये तो वही हुआ जैसे किसी को सोने की चिड़िया बना दो और फिर पिंजरे में कैद कर दो।

सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे?

आज सोशल मीडिया एक ऐसा मंच बन चुका है, जहां कुछ महिलाएं खुद को साबित करने के लिए हर हद पार कर रही हैं। कपड़ों का छोटा होना और बोल्ड पोज़ देना ही अगर बोल्डनेस है, तो फिर आत्मविश्वास, शिक्षा, और स्वाभिमान का क्या? क्या यही है सशक्तिकरण का असली मतलब? क्या हमारा समाज वाकई इतना सतही हो गया है कि हम केवल बदन के आधार पर किसी की कीमत आंकने लगे हैं?

सोचिए, आज जो महिलाएं देह प्रदर्शन को सशक्तिकरण मान रही हैं, क्या वो सच में खुद को सशक्त महसूस करती हैं? क्या उन्हें पता है कि वो केवल एक डिजिटल उत्पाद बनकर रह गई हैं, जिनका मूल्य केवल उनके शरीर के आकार और नृत्य कौशल से मापा जाता है?

यह समस्या केवल महिलाओं की नहीं है, बल्कि उस पूरी डिजिटल संस्कृति की है, जिसने नारी शरीर को एक मनोरंजन सामग्री बना दिया है। वो शरीर जो कभी मातृत्व, प्रेम और करुणा का प्रतीक था, आज महज़ व्यूज़ और फॉलोअर्स की भूख का साधन बन गया है।

तो सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे? आखिर सवाल यह है कि क्या देह का प्रदर्शन वाकई सशक्तिकरण है या बस एक भ्रम? क्या आज की नारी अपनी असली पहचान से दूर होती जा रही है, जहां उसकी शक्ति, बुद्धि और आत्मविश्वास की जगह सिर्फ उसके शरीर का आकार और आकर्षण ही अहम रह गया है? यह डिजिटल युग हमें नई संभावनाओं और अभिव्यक्ति की आज़ादी देता है, पर क्या यह स्वतंत्रता वाकई हमें आज़ाद कर रही है या बस एक और जाल में फंसा रही है?

नारी स्वतंत्रता का अर्थ केवल कपड़ों की लंबाई या शरीर के प्रदर्शन तक सीमित नहीं है। असली स्वतंत्रता है अपने विचारों, अधिकारों और आत्मसम्मान की रक्षा करना। यह वो स्वतंत्रता है, जो एक नारी को उसकी असल पहचान देती है - एक शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त इंसान के रूप में।

सोशल मीडिया पर जिस दिखावे की होड़ मची है, वह केवल लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़ नहीं, बल्कि आत्मसम्मान की गिरावट का प्रतीक है। यह एक डिजिटल पिंजरा है, जहां औरतें खुद को स्वतंत्र मानते हुए भी एक गहरे बंधन में बंधी हुई हैं।

हमें यह समझना होगा कि असली सशक्तिकरण आत्मनिर्भरता, शिक्षा और आत्मसम्मान में है, न कि केवल देह प्रदर्शन में। अगर हमें सही मायनों में नारी शक्ति को बढ़ाना है, तो हमें इस भ्रम से बाहर आना होगा और एक ऐसा समाज बनाना होगा, जहां औरतें अपनी पहचान अपने विचारों से बनाएं, न कि केवल अपने शरीर से।

(चिंतन- मनन)

चिंतन सही हो

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से साठ रूपए उधार लिए। कुछ दिनों बाद वह आया और बीस रूपए देकर बोला, सारे रूपए आ गए? मित्र ने कहा, साठ दिए थे और तुम बीस लौटा रहे हो, तो अभी चालीस रूपए बाकी रहेंगे। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, नहीं, दस और दस साठ होते हैं। मैंने साठ रूपए लौटा दिए हैं। मित्र ने कहा, भोले आदमी! दस और दस बीस ही होते हैं। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, मैं इस बात को नहीं मानता। मैं तो यही मानता हूं कि दस और दस साठ होते हैं। मेरी मान्यता मेरे पास और तुम्हारी मान्यता तुम्हारे पास।

ऐसे मानने वाले को विधाता भी नहीं समझा सकता। गणित का नियम -दस और दस बीस होते हैं। कोई व्यक्ति इस गणित के नियम को जानने की बात छोड़कर मानने की बात को ही पकड़ बैठता है तो उसका कोई इलाज नहीं है। हम मानने की बात को छोड़ दें और जानें। सदा जानने का प्रयत्न करें। सदा जानें। हम विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रयत्न करें। वे प्राप्त हों तो ठीक है, न हों तो कोई बात नहीं। पुरूषार्थ को सही दिशा में लगाएं। पुरूषार्थ निरंतर हमारा साथ दे। हम प्रयत्न को बंद न करें।

पुरूषार्थ को साथ लेकर चलें। मन और शरीर को विशेष आदेश दें। मन जो भटकता रहता है, अनेक प्रवृत्तियों में संलग्न रहता है, बहुत अधिक सक्रिय और गतिशील है, उस पर हम कुछ नियंत्रण करें। मन की सक्रियता को कम करें।

विचार मंथन

भ्रष्टाचार पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से जागी लोकतंत्र की उम्मीद

(लेखक- सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने पहले ही दिन केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के खिलाफ फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से भारतीय लोकतंत्र और न्यायपालिका की संवैधानिक ज़िम्मेदारी का प्रमाण है। 1998 में महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री रहते हुए नारायण राणे ने जिस 30 एकड़ वन भूमि को बिल्डरों को सौंप दी थी। सुप्रीमकोर्ट ने उसे अवैध घोषित करते हुए, भूमि को तत्काल वन विभाग को लौटाने का आदेश दिए हैं। सुप्रीमकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है, सत्ता में बैठे लोग कानून से ऊपर नहीं हैं। वह मनमाने निर्णय नहीं ले सकते हैं। सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का यह निर्णय ऐसे समय पर आया है। जब देश में भ्रष्टाचार को लेकर गहरा अविश्वास एवं आम जनता में गुस्सा फैल रहा है। सत्ता में बैठे कई नेताओं पर गंभीर आरोप लगते हैं। वर्तमान सरकारें भ्रष्टाचारा आरोपों की जांच भी नहीं कराना चाहती हैं। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई द्वारा पद की शपथ लेने के 24 घंटे के अंदर यह फैसला देना, वर्तमान समय में न्यायपालिका का साहसिक संकेत है। न्यायिक प्रणाली में भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों और नेताओं को उनकी पोजीशन के कारण नजर अंदाज न्यायपालिका नहीं करेगी। इस फैसले ने देश में नेता-बिल्डर-अधिकारियों के उस गठजोड़ को उजागर किया है। जो पिछले कई दशकों से सरकारी एवं जनहित की भूमि को अपने लाभ के लिए बेचता आया है। यह सरकारी एवं प्राकृतिक संसाधनों की लूट है। जनता के भरोसे और उनके प्राकृतिक, मौलिक अधिकारों की हत्या भी है। सुप्रीमकोर्ट का यह फैसला विकास के नाम पर की गई लूट को अवैध रूप से कानूनी जामा पहनाने और निजी मुनाफे कमाने का जरिया हैं। इस पर सुप्रीमकोर्ट ने न्याय की गाज गिराई है। सुप्रीमकोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले से भाजपा की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति पर भी सवाल उठना शुरू हो जाएंगे। विकास के नाम पर जिस तरह से सरकारी और सार्वजनिक स्थलों की लूट की जा रही है। उन पर रोक लगेगी। स्वाभाविक है, नारायण राणे अभी केंद्र में मंत्री हैं। उनके बेटे राज्य सरकार में मंत्री हैं। भाजपा, केंद्र सरकार और राज्य सरकार की नीति वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त है, तो केंद्र सरकार और महाराष्ट्र सरकार को सुप्रीमकोर्ट के इस फैसले के बाद त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। केन्द्र सरकार को नारायण राणे को मंत्री परिषद से हटाना चाहिए। न्यायपालिका ने फैसला देकर अपनी भूमिका का निर्वाह किया है। अब बारी कार्यपालिका की है। कार्यपालिका भ्रष्टाचार के खिलाफ जनविश्वास को बहाल करे। यह फैसला राणे तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सुप्रीमकोर्ट के आदेश बाद सभी राज्यों में ऐसे सभी सौदों की निष्पक्ष और कठोर जांच शुरू कर कार्यवाही होनी चाहिए। सुप्रीमकोर्ट का यह निर्णय आने वाले समय में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के लिए सुप्रीमकोर्ट की यह एक चेतावनी भी है। यह महज़ भ्रष्टाचार के खिलाफ एक कानूनी फैसला भर नहीं है। यह फैसला इस बात का संदेश देता है, न्याय में भले विलंब हो जाए। दोषी को समय आने पर दंड जरूर मिलता है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने आते ही न्याय के प्रति अपने कर्तव्य और जिम्मेदारियों का अहसास करना शुरू कर दिया है। न्यायपालिका पिछले कुछ वर्षों से दबाव में काम करती नजर आ रही है। सरकार और सत्ता पक्ष के राजनेताओं के खिलाफ फैसला देने से न्यायपालिका डरने लगी है। जिस तरह से सरकार ने न्यायपालिका पर दबाव बनाया है। सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का यह फैसला न्यायपालिका के प्रति विश्वास जगाने वाला है। न्यायपालिका को लेकर आमजनों के बीच जो इमेज बन रही थी। निश्चित रूप से सुप्रीमकोर्ट के सख्त रूख से आमजनों के बीच न्यायपालिका के प्रति एक नया विश्वास जागृत होगा। भारतीय लोकतंत्र एवं संविधान मजबूत होगा। सभी की जिम्मेदारी तय होगी, यही कहा जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जीईईएल ने अपनी ब्रांड पहचान को नया रूप देने की घोषणा की

नया कारपोरेट लोगो लॉन्च, बाकी ब्रांड्स के नए लोगो 8 जून को जारी किए जाएंगे

नई दिल्ली।

ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइज़ेज़ लिमिटेड (जीईईएल) ने अपनी ब्रांड पहचान को नया रूप देते हुए अपने कॉर्पोरेट और चैनलों के लोगो को नया लुक देने की घोषणा की है।

कंपनी के सीईओ ने यह घोषणा ज़ी सिने अवॉर्ड्स 2025 के दौरान की। नए लोगो ज़ी टीवी, ज़ी5, ज़ी म्यूज़िक कंपनी और ज़ी स्टूडियोज़ जैसे ब्रांड्स के लिए जारी किए जाएंगे।

कंपनी के अनुसार ज़ी का नया कॉर्पोरेट लोगो पहले ही लॉन्च किया जा चुका है, जबकि बाकी ब्रांड्स के नए लोगो 8 जून को जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम विकास के एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं, जिसमें कंटेंट और टेक्नोलॉजी पर खास ध्यान दिया जाएगा। हमारा नया लोगो भविष्य की सोच को दर्शाता है–जो कि तेज़, आधुनिक और लचीला है। यह हमारे संकल्प को दर्शाता है कि हम नई तकनीकों को अपनाकर दर्शकों को बेहतर अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कंपनी ने यह भी बताया कि उसका लक्ष्य टेक्नोलॉजी को हर स्तर पर जोड़ना है–चाहे वह कंटेंट बनाना हो, उसका वितरण हो या उससे कमाई करना। यह कदम कंपनी के लंबे समय के विकास और मुनाफे के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। जनवरी से मार्च तिमाही के परिणामों के दौरान कंपनी ने कहा था कि ऐ बिटा मार्जिन बढ़ाने के लिए अब लागत में कटौती की कोई गुंजाइश नहीं है। नुकसान को घटाने के लिए कंपनी अब केवल राजस्व में वृद्धि पर ध्यान देगी।

क्लिकः भारत में ग्राहक आधार 1,000 को पार करने के लिए तैयार

ऑरलैंडो।

कृत्रिम मेधा क्षेत्र के अग्रणी कंपनी क्लिक ने भारतीय बाजार में वृद्धि को लेकर आशान्वित होने का इजहार किया है। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि क्लिक ने पिछले दो साल में अपने कारोबार को दोगुना किया है और ग्राहकों की संख्या अब 800 से भी ज्यादा हो गई है। उनके अनुसार इस साल कंपनी का ग्राहक आधार 1,000 को पार कर जाएगा। उन्होंने डेटा विश्लेषण और एआई रणनीति में भागीदारी के लिए कई छोटे और मझोले कारोबारों के साथ भविष्य की योजना की बात की। उन्होंने कहा कि क्लिक के भारतीय शाखा में मात्र एक्सपैंशन हुई है और कर्मचारी संख्या में भी वृद्धि हुई है। कंपनी ने पिछले 16 माह में भारत में कर्मचारियों की संख्या दोगुनी कर दी है और नियुक्तियों का कार्य जारी रहेगा। वे भारतीय बाजार में तेजी से आगे बढ़ने के संकेत का समर्थन करते हुए निवेश के साथ एक वीरपंथी किरदार बनाने का दावा कर रहे हैं। क्लिक ने हाल ही में भारत में एक बड़े निवेश के साथ डेटा सेंटर खोला है, जो भारतीय बाजार के लिए नई सेवाएं प्रदान करेगा। यह कॉन्फिगरेशन के साथ क्लाउड ढांचे को बढ़ाने और भारतीय बाजार के साथ प्रतिबद्धता को गहरा करने में मदद करेगा।

भारत के कोयले का आयात 2024-25 में घटकर 26.35 करोड़ टन रहा

नई दिल्ली।

भारत में कोयले का आयात वित्त वर्ष 2024-25 में 1.7 प्रतिशत घटकर 26.35 करोड़ टन रहा है। इसके सम्बंधित पिछले वित्त वर्ष, 2023-24, में देश कोयले का 26.82 करोड़ टन आयात करता था। इस वर्ष गैर-कोकिंग कोयले का आयात 16.71 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की 17.59 करोड़ टन से कम है। कोकिंग कोयले का आयात 5.40 करोड़ टन है जो पिछले वर्ष की 5.72 करोड़ टन से कम है। एक ई-कॉमर्स मंच द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार मार्च में कोयले का आयात 2.27 करोड़ टन रहा जो पिछले वर्ष की 2.39 करोड़ टन की मुकाबला है। मार्च में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.48 करोड़ टन है जो 2023-24 के समान महीने की 1.53 करोड़ टन का है। मार्च में कोकिंग कोयले का आयात 44.1 लाख टन है जो 2023-24 के समान महीने की 53.4 लाख टन से कम है। वित्त वर्ष 2024-25 में कुल कोयले उत्पादन एक अरब टन के आंकड़े को पार कर गया है। अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में कोयले उत्पादन 104.75 करोड़ टन है, जो 2023-24 में 99.78 करोड़ टन का था। इस तरह वित्त वर्ष के दौरान कोयले का उत्पादन 4.99 प्रतिशत बढ़ गया है।

टाटा मोटर्स की इलेक्ट्रिक वाहन पर बड़ा दांव लगाने की तैयारी

टाटा मोटर्स ने 2024-25 में करीब 65,000 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स का लक्ष्य घरेलू यात्री वाहन बाजार में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) को मुख्यधारा में लाने का है। अपनी इस योजना के तहत कंपनी ईवी श्रृंखला को मजबूत करने और साथ ही मौजूदा मॉडल के लिए मूल्य को बढ़ाने का प्रयास कर रही है। मुंबई की यह प्रमुख वाहन कंपनी चालू वित्त वर्ष में हैरियर.ईवी और उसके बाद सिएरा.ईवी उतारने की तैयारी कर रही है। साथ ही कंपनी अपने मौजूदा मॉडल में भी कई तरह के सुधार करने की योजना बना रही है। टाटा मोटर्स ने 2024-25 में करीब 65,000 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे हैं। यह आंकड़ा 2023-24 की तुलना में 10 प्रतिशत कम है। तिमाही नतीजों के बाद निवेशक प्रस्तुतीकरण में कंपनी ने कहा कि हम नए मॉडल के साथ ईवी पोर्टफोलियो को मजबूत करने जा रहे हैं। साथ ही मौजूदा मॉडल के लिए भी मूल्य बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। कंपनी का इरादा इलेक्ट्रिक वाहनों को मुख्यधारा में लाने है। इसके लिए कंपनी बाजार विकास और पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगी।

ईबीपी मंच पर इलेक्ट्रॉनिक बुक व्यवस्था अनिवार्य

ईबीपी मंच की दक्षता और सुरक्षा को बढ़ाने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 20 करोड़ रुपये या उससे अधिक के निजी नियोजन के लिए ईबीपी मंच पर इलेक्ट्रॉनिक बुक व्यवस्था को अनिवार्य कर दिया है। यह प्रावधान ईबीपी मंच की दक्षता और सुरक्षा को बढ़ाने में मदद करेगा। सेबी के नए परिपत्र के अनुसार, अब निजी नियोजन के लिए 20 करोड़ रुपये या उससे अधिक के निर्गम आकार की ऋण या बॉन्ड प्रतिभूतियों, एनसीआरपीएस और म्यूनिसिपल बॉन्ड जैसे अनुभागों के लिए भी ईबीपी मंच का उपयोग अनिवार्य होगा। अब तक निर्गम आकार वाले बॉन्ड प्रतिभूतियों के सभी निजी नियोजन के लिए ईबीपी मंच का प्रयोग अनिवार्य था, लेकिन अब रीट और इनविट भी इसमें शामिल होंगे। सेबी ने इसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट) और रियल एस्टेट इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट (आरईआईटी) को भी शामिल कर दिया है। इस पहल से इलेक्ट्रॉनिक बुक प्रदाता के मंच की महत्वपूर्णता और प्रभाव बढ़ेगा।

बीते वित्त वर्ष में भारत के स्मार्टफोन निर्यात ने पेट्रोलियम उत्पादों, हीरे को पछाड़ा

2024-25 में स्मार्टफोन निर्यात 55 प्रतिशत के उछाल के साथ 24.14 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली।

पिछले तीन साल में भारत का स्मार्टफोन निर्यात पांच गुना हो गया है। वहीं इस दौरान जापान को निर्यात चार गुना हो गया है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इस तरह स्मार्टफोन निर्यात ने देश से पेट्रोलियम उत्पादों और हीरे के निर्यात को पीछे छोड़ दिया है। आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में स्मार्टफोन निर्यात 55 प्रतिशत के उछाल के साथ 24.14 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो 2023-24 में 15.57 अरब डॉलर और 2022-23 में 10.96 अरब डॉलर था। बीते वित्त वर्ष में अमेरिका, नीदरलैंड, इटली, जापान और चेक गणराज्य शीर्ष पांच देश रहे जहां स्मार्टफोन निर्यात में सबसे ऊंची वृद्धि दर्ज हुई है। अकेले अमेरिका को 2024-25 में स्मार्टफोन का निर्यात 10.6 अरब डॉलर का हो गया। अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात 2022-23 में 2.16 अरब डॉलर और 2023-24 में 5.57 अरब डॉलर रहा था। जापान को निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। जापान को निर्यात 2022-23 के 12 करोड़ डॉलर से 2024-25 में 52 करोड़ डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार नीदरलैंड को निर्यात 2022-23 के 1.07 अरब डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 2.2 अरब डॉलर हो गया।इसी तरह, इटली को निर्यात 72 करोड़ डॉलर से बढ़कर 1.26 अरब डॉलर पर पहुंच गया। चेक गणराज्य को भी निर्यात 65 करोड़ डॉलर से बढ़कर 1.17 अरब डॉलर हो गया।

सेंसेक्स की 9 बड़ी कंपनियों का मार्केट कैप 3.35 लाख करोड़ बढ़ा

रिलायंस, एचडीएफसी और टीसीएस ने बढ़ाया बाजार में दबदबा

मुंबई।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की टॉप 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 9 के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल मिलाकर 3.35 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। इस वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान रिलायंस इंडस्ट्रीज का रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 1.06 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 19.71 लाख करोड़ रुपये हो गया।

यह अब भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 46,306.99 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 10.36 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टीसीएस ने 43,688.4 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे उसका कुल मूल्यांकन 12.89 लाख करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस का मूल्य 34,281.79 करोड़ रुपये बढ़कर 6.60 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक की हैसियत 34,029.11 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 14.80 लाख करोड़ रुपये पर पहुंची। बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 32,730.72 करोड़ रुपये बढ़कर 5.69 लाख करोड़ रुपये हो गया। आईटीसी को 15,142.09 करोड़ रुपये की बढ़त मिली, जिससे उसका मूल्यांकन 5.45 लाख करोड़ रुपये हो गया। भारतीय स्टेट बैंक की बाजार हैसियत 11,111.15 करोड़ रुपए बढ़कर 7.06 लाख करोड़ रुपये रही। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्य 11,054.83 करोड़ रुपये बढ़कर 5.59 लाख करोड़ रुपये हो गया।

इन सभी के विपरीत भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 19,330.14 करोड़ रुपये घट गया और यह 10.34 लाख करोड़ रुपये रह गया। प्रमुख 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी रहीं।

ट्रंप ने फेड पर किया हमला, पॉवेल की इस्तीफा की मांग

जेरोम पॉवेल नहीं हो रहे टस से मस

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संकेतों के साथ एक बार फिर फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल पर हमला बोला है। ट्रंप ने फेड के ब्याज दरों में कटौती की मांग की और पॉवेल को उनके मौजूदा कार्यकाल से पहले हटाने की धमकी दी। यह तनातनी के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण मोड़ हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भारी असर पड़ सकता है। ट्रंप का मानना है कि कम ब्याज दरें अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी, जबकि पॉवेल ने ऐसे कदमों की चेतावनी दी है कि इससे महंगाई बढ़ सकती है। इस तनातनी के बीच ट्रंप ने पॉवेल को मेजर लूजर कहकर भी मामूली भाषा में संबोधित किया है। यह विवाद अमेरिकी राजनीति के दौरान एक और रोमांचक घटना बन गया है, जिसके परिणामों का सामर्थ्यक असर पूरी दुनिया देख रही है। इस संघर्ष के बीच, पॉवेल ने साफ किया है कि वे अपनी पदवी पर कटौती का विचार नहीं करेंगे और उन्हें इस्तीफा देने का कोई इरादा नहीं है। ट्रंप ने उनकी योग्यता पर सवाल उठाया है, लेकिन पॉवेल ने प्रधान्य देने का इरादा जताते हुए इस संघर्ष में निष्ठा प्रकट की है।

जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह पॉवेल को 2026 से पहले हटाएंगे, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, नहीं, ऐसा क्यों करूंगा? मुझे जल्द ही उन्हें बदलने का मौका मिल जाएगा। ट्रंप भले ही पॉवेल को न हटाने की बात कह रहे हो, लेकिन एक सच्चे चाई यह भी है कि वे चाहकर भी ऐसा कर नहीं सकते। अगर वे ऐसा करते हैं तो कानूनी पचड़े में पड़ जाएंगे और इससे फजीहत हो सकती है। इसलिए पॉवेल को झेलना ट्रंप की मजबूरी है।

वेदांता लिमिटेडः 20 अरब डॉलर की परियोजनाओं के क्रियान्वयन में कंपनियों की रुचि

नई दिल्ली।

दुनिया की कई परामर्शक कंपनियों ने वेदांता लिमिटेड की कई क्षेत्रों में फैली 20 अरब डॉलर की विस्तार परियोजनाओं को लागू करने में रुचि दिखाई है। प्रमुख कंपनी चालू तिमाही में परामर्शक कंपनी का चयन करेगी। वेदांता अगले तीन साल में अपने परिचालन का महत्वपूर्ण विस्तार करने की योजना बना रही है, क्योंकि यह चार इकाइयों- वेदांता एल्युमीनियम, तेल और गैस, बिजली, और लौह एवं इस्पात में पुनर्गठन कर रही है। वेदांता लिमिटेड के एक अ धिकारी ने बताया कि वे एक वैश्विक रुचि पत्र जारी करेंगे और कुछ सप्ताह के भीतर भागीदार का चयन करेंगे। कंपनी अगले तीन साल में धातु, खनन, और हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में 20 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करेगी। वेदांता के चेयरमैन ने इससे पहले कहा था कि कंपनी विविध कारोबार के विभाजन के बाद संपत्ति प्रबंधन से संपत्ति की मालिक बनेगी। कंपनी अपने संपत्ति आधार को मजबूत कर रही है और वैश्विक अगुवा के रूप में स्थापित होने का प्रयास कर रही है। धातु क्षेत्र की दिग्गज कंपनी की आमदनी 41,216 करोड़ रुपये हो गई है। इसमें मार्च में समाप्त तिमाही में 3,483 करोड़ रुपये का आकलन शामिल है, जो पिछले साल की सामान्यतः 1,369 करोड़ रुपये से अधिक है।

अटारी-वाघा सीमा पर फिर से शुरू हुआ कारोबार

पाकिस्तानी सीमा पर फंसे ट्रकों के विवाद के बाद भारत में प्रवेश की अनुमति मिली

अटारी।

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार पूरी तरह ठप हो गया था, लेकिन अटारी-वाघा सीमा के रास्ते पुनः खुलने से व्यापारिक गतिविधियां फिर से चलने लगी हैं। इस सीमा के माध्यम से भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाला व्यापार फिर से गति पकड़ रहा है। पाकिस्तानी सीमा पर फंसे ट्रकों के विवाद के बाद अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से भारत में प्रवेश की अनुमति दी गई। इसके बाद लगभग 50 ट्रक और भारतीय ट्रकों ने सीमा पार करके व्यापारिक गतिविधियों को फिर से जीवंत किया। भारत और अफगानिस्तान के बीच यह मार्ग सूखे मेवों और जड़ी-बूटियों के आयात के लिए महत्वपूर्ण है। इसके बंद हो जाने से व्यापारियों को बड़ा नुकसान हुआ था, लेकिन अब उन्हें राहत मिली है। इस सीमा के खुलने से व्यापारियों में आर्थिक सुधार होने की उम्मीद है। भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार का यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण है। अटारी-वाघा सीमा भारत और तालिबान शासित अफगानिस्तान के बीच एकमात्र स्वीकृत व्यापारिक भूमि मार्ग है। भारत

अफगानिस्तान से मुख्य रूप से सूखे मेवे और जड़ी-बूटियां आयात करता है, जो अधिकतर कंधार और काबुल से आते हैं। इस मार्ग के बंद होने से न केवल व्यापारियों को आर्थिक नुकसान हुआ, बल्कि बाजार में इन सामानों की उपलब्धता पर भी असर पड़ा।

जुलाई से सितंबर के बीच लॉन्च होगा नथिंग फोन (3)

नई दिल्ली।

नथिंग कंपनी का अपकमिंग स्मार्टफोन नथिंग फोन (3) साल 2025 में लॉन्च होगा। इस फोन में एडवांस एआई फीचर्स शामिल होंगे, जो इसे एक प्रीमियम डिवाइस बनाएंगे। कंपनी के सीईओ कार्लपेई ने हाल ही में इसकी पुष्टि की है। एक यूट्यूब वीडियो में इस फोन की झलक भी दिखाई, हालांकि फोन को ब्लर किया गया था। इस वीडियो में उन्होंने फोन के प्राइस और लॉन्च डेट का खुलासा किया है। नथिंग फोन (3) को 2025 के तीसरे क्वार्टर यानी जुलाई से सितंबर के बीच लॉन्च किया जाएगा। अगर पिछले साल के लॉन्च को ध्यान में रखा जाए, तो यह संभावना जताई जा रही है कि फोन जुलाई 2025 में लॉन्च होगा, क्योंकि नथिंग फोन (2) जुलाई 2023 में आया था। रिपोर्ट के अनुसार नथिंग फोन (3) को प्रीमियम मटेरियल्स, बेहतर परफॉर्मेंस और एआई-बेस्ड सॉफ्टवेयर के साथ तैयार किया गया है। यह फोन कंपनी का फ्लैगशिप डिवाइस होगा और इसमें डिज़ाइन के साथ-साथ यूजर एक्सपीरियंस भी शानदार होगा। नथिंग फोन (3) की कीमत करीब 800 जीबीपी (लगभग रुपए 90,500) हो सकती है। पिछले मॉडल, नथिंग फोन (2) के 12जीबी + 256जीबी वेरिएंट की कीमत 629 जीबीपी (लगभग रुपए 71,000) थी और भारत में इसकी कीमत 49,999 रुपये थी। ऐसे में उम्मीद है कि फोन (3) का 12जीबी + 256जीबी वेरिएंट भारत में 60,000 रुपये से अधिक हो सकता है

जगुआर लैंड रोवर ने 7.7 बिलियन पाउंड का रेवेन्यू दर्ज किया

नई दिल्ली।

वित्तीय वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने 7.7 बिलियन पाउंड का रेवेन्यू दर्ज किया। यह रेवेन्यू पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 1.7प्रतिशत कम है। ब्रिटिश ऑटोमेकर ने लगातार दसवीं तिमाही लाभ दर्ज कर अपनी मजबूती साबित की है। इस सफलता के पीछे कंपनी के कुछ प्रमुख प्रोडक्ट्स की मजबूत बिक्री का बड़ा हाथ है। खासतौर पर लैंड रोवर डिफेंडर की बिक्री इस वित्तीय वर्ष में 1,15,404 यूनिट तक पहुंचकर इतिहास में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। डिफेंडर भारत में भी लग्जरी ऑफ-रोडर्स में पसंदीदा बनी हुई है और हाल ही में भारत-यूके के एफटीए समझौते से इसके दाम कम होने की उम्मीद है। मार्च 2025 में लैंड रोवर ने डिफेंडर ऑक्टा को भारत में लॉन्च किया, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 2.59 करोड़ रुपए है। इस वर्जन में 4.4-लीटर ट्विन-टर्बोचार्ज्ड वी 8 इंजन दिया गया है, जो माइल्ड-हाइब्रिड टेक्नोलॉजी से लैस है। यह इंजन 626 हॉर्सपावर और 800 एनएम टॉर्क प्रदान करता है, जिससे यह डिफेंडर का अब तक का सबसे पावरफुल मॉडल बन गया है। ऑक्टा 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार मात्र 3.8 सेकंड में पकड़ लेता है और अधिकतम 250 किमी/घंटा की स्पीड तक जा सकता है। इसे आठ-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से लैस किया गया है, साथ ही इसमें कई मैकेनिकल और चेसिस अपग्रेड भी शामिल हैं। एफवाय25 में जेएलआर के इलेक्ट्रिफाइड ऑप्शंस की मांग भी बढ़ी है, खासकर प्लग-इन हाइब्रिड (पीएचईवी) मॉडल में 21.7प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। रेंज रोवर नेमप्लेट पीएचईवी की मांग में 38.2प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ नेतृत्व किया। इसके अलावा, रेंज रोवर स्पोर्ट ने 19.7 प्रतिशत की साल-दर-साल थोक बिक्री हासिल की।

एजीआर मामलाः सुप्रीम कोर्ट से वोडाफोन आइडिया के बाद अब एयरटेल ने लगाई गुहार

भारती एयरटेल समूह पर 43,980 करोड़ की पर्याप्त एकमुश्त देनदारी लगाई गई

नई दिल्ली।

वोडाफोन आइडिया के बाद अब भारती एयरटेल और भारती हेक्साकॉम ने समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया मामले में राहत की मांग कर सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। इस याचिका में कहा गया है कि एजीआर बकाया ने दोनों भारती कंपनियों की दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी बने रहने और अपने परिचालन को बनाए रखने की क्षमता को प्रभावित किया है। यह हमारे भे विष्य पर असर डाल सकता है। याचिकाकर्ता कंपनियों ने एक दशक में लाइसेंस शुल्क और मुकदमे के जरिए लगभग 75,000 करोड़ रुपये का सरकारी खजाने में योगदान दिया है। इसके साथ ही जीएसटी भी दिया गया है, जो वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 22,000 करोड़ रुपये था। एजीआर फैसले के जरिए भारती एयरटेल समूह पर 43,980 करोड़ रुपये की पर्याप्त एकमुश्त देनदारी लगाई गई और इसे 31 मार्च, 2031 को समाप्त होने वाली 10 साल की अवधि के भीतर सरकार को चुकाया जाना है। मूल राशि 9,235 करोड़ रुपये ब्याज, जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज जोड़कर 43,980 करोड़ रुपये हो गई। इससे पहले गुरुवार को वोडाफोन आइडिया ने सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की, जिसमें एजीआर बकाया से जुड़े ब्याज, जुर्माने और जुर्माने पर ब्याज में

45,000 करोड़ रुपये से अधिक की छूट की मांग की गई। करीब 20 करोड़ ग्राहकों को सेवा देने वाली इस दूरसंचार कंपनी ने राहत न मिलने पर वित्तीय संकट की चेतावनी दी है। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को वोडाफोन आइडिया के मामले की सुनवाई करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरभजन के पेड फैन्स वाले बयान पर विराट के प्रशंस नाराज

नई दिल्ली।

दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं। अब हरभजन विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी को लेकर दिये अपने पेड फैन्स वाले बयान से विवादों में आ गये हैं। इससे विराट के प्रशंसक इरभजन पर भड़के हुए हैं। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर विराट के प्रशंस हरभजन पर निशाना साधने में लगे हैं। असल में हरभजन ने आरसीबी और केकेआर मैच में कमेंट्री के दौरान कहा कि धोनी धोनी जब तक चाहें आईपीएल खेल सकते हैं। हरभजन ने ये बात तक कही जब लोग चर्चा कर रहे थे कि धोनी अगला आईपीएल भी खेल सकते हैं। इस पर कोहली ने कहाकि केवल धोनी ही हैं, जिनके पास रियल फैन बेस हैं। बाकी लोगों के पास तो पेड फैन्स और पीआर हैं।इसपर हरभजन ने कहाकि वास्तव में धोनी के ही प्रशंसक हैं। बाकी लोगों के तो बस सोशल मीडिया पर ही प्रशंसक हैं। इसके बाद कहा कि ये प्रशंसक तो अक्सर पेड फैन्स ही होते हैं। इसके बाद उन्होंने इस बात को यहीं समाप्त कर दिया। हरभजन की बातें सुनकर अन्य कमेंटेटर भी हैरत में पड़ गये।

सनराइजर्स हैदराबाद पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी लखनऊ सुपरजायंट्स

लखनऊ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को लखनऊ सुपरजायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर बड़ी जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी। इस मैच में अगर सुपरजायंट्स हार तो वह लीग से बाहर हो जाएगी। इस लीग में अब तक टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। उसके कप्तान ऋषभ पंत भी अब तक रन नहीं बना पाये हैं जिसके कारण भी टीम को नुकसान हुआ है। ऐसे में ऋषभ इस मैच में बड़ी पारी खेलकर टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। अब तक इस सत्र में निकोलस पूरन ने टीम की ओर से काफी अच्छी बल्लेबाजी की है पर अब अन्य खिलाड़ियों को भी रन बनाने होंगे। उसकी गेंदबाजी शारदुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप पर आधारित रहेगी। सुपर जायंट्स की टीम के नाम अब तक 11 मैचों में 10 अंक है पर उसका नेट रन रेट माइनस 0.469 है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे अपने बचे हुए तीनों मैचों को बड़े अंतर से जीतना होगा। दूसरी ओर पिछले साल की उपविजेता सनराइजर्स पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लखनऊ का खेल बिगाड़ना रहेगा। सनराइजर्स की टीम में शामिल युवा नीतीश कुमार रेड्डी और ईशान किशन जैसे खिलाड़ी इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करने का प्रयास करेंगे। अब तक ये दोनो बड़ी पारियां नहीं खेल पाये हैं। आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अब तक 311 रन बनाये हैं और वह इस मैच में बड़ी पारी खेलने का प्रयास करेंगे। लखनऊ की टीम की सबसे बड़ी परेशानी कप्तान का रन नहीं बनाना है। वह इस सत्र में केवल एक बार ही पचास से अधिक रन बना पाये हैं। रन उन्होंने इस सत्र के 11 मैचों में 100 से कम की स्ट्राइक-रेट और 12.80 की औसत से केवल 128 रन ही बनाए है। मो शमी, राहुल चाहर सहित उसके गेंदबाज अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं।

वहीं लखनऊ की टीम को अपने प्रमुख बल्लेबाज निकोलस पूरन से इस मैच में भी बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। पूरन शुरुआती पांच-छह मैचों में आक्रामक बल्लेबाजी के बाद पिछले कुछ मैचों से रन नहीं बना पाये हैं। पूरन के अलावा टीम को अपने शीर्ष तीन क्रम में शामिल दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम 348 और मिचेल मार्श 378 से भी अच्छी शुरुआत की उम्मीद होगी। वहीं मध्यक्रम में आयुष बडोनी 326 रन के अलावा कोई भी बल्लेबाज प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाया है। आक्रामक बल्लेबज डेविड मिलर

अब तक केवल 160 रन ही बना पाये हैं।। गेंदबाजी में रवि बिश्नोई बीच के ओवरों में विकेट लेने में विफल रहे हैं।

केवल युवा दिग्वेश राठी ने अब तक 12 लेकर लेकर विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया है। इस मैच में न्यूजीलैंड के गेंदबाज विलियम ओ राउरकी के टीम में आने से लखनऊ की गेंदबाजी बेहतर होगी।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल से अब तक बाहर हुई चार टीमें

बेंगलुरु।

बारिश के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबला रद्द होने से अंक तालिका में प्रभाव पड़ा है और चार टीमें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। मुकाबला रद्द होने से दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला है। इससे आरसीबी ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाएं बढ़ी हैं। वहीं कोलकाता की टीम तकरीबन बाहर हो गयी है। इस प्रकार कोलकाता की टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली सत्र की चौथी टीम बन गई। इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी टीमें पहले ही बाहर हो गयीं थीं।आरसीबी अब रद्द मुकाबले से एक नंबर लेकर तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। उसके अब तक 12 मैचों में 8 जीत, 3 हार और एक बेनतीजा मैच के साथ 17 अंक हो गए हैं। वहीं, गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 8 जीत और 16 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है। पंजाब किंग्स तीसरे नंबर पर है जिन्होंने कि 11 मैचों में 7 जीत दर्ज कर 15 अंक हासिल किए हैं। वहीं मुंबई के 12 मैचों में 7 जीत के साथ 14 अंक हैं। अब देखना है कि दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजायंट्स आगे बढ़ती हैं।

विराट के सम्मान में सफेद कैप में पहुंचे थे प्रशंसक

बेंगलुरु।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद पहली बार मैदाने पर उतरे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज के विराट कोहली के सम्मान में प्रशंसक टेस्ट क्रिकेट की सफेद कैप में पहुंचे थे। बारिश के कारण हालांकि ये मैच नहीं हो पाया। इस मैच में सभी प्रशंसक विराट की बल्लेबाजी देखने पहुंचे थे। वहीं आसमान में सफेद कबूतरों का एक झुंड मैदान के ऊपर उड़ता नजर आया। स्टैंड में बैठे प्रशंसकों के लिए ये अनूठा नजारा था। कबूतरों को देखकर लगा जैसे वे भी विराट को देखना चाहते थे। बारिश के कारण मैच में टॉस तक नहीं हुआ। इस प्रशंसकों को काफी निराश हुई। आरसीबी की टीम 12 मैच के बाद 8 जीत 3 हार और एक बेनतीजा रहे मुकाबले के बाद 17 अंक पर पहुंच गयी है। हो गए हैं। इस मैच में कोलकाता के साथ एक अंक बांटने के बाद आरसीबी की प्लेऑफ में तय हो गयी है। ये मुकाबल रद्द होने से कोलकाता की टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली सत्र की चौथी टीम बन गई। इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी दिग्गज टीमें पहले ही बाहर हो गयीं थीं।

बिना रोहित-विराट के इंग्लैंड में भारत की अग्नि परीक्षा

नई दिल्ली।

भारत और इंग्लैंड के बीच बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू हो रही है, लेकिन इस बार टीम इंडिया मैदान पर एक अलग ही रूप में नजर आएगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यह पहली बार होगा जब भारतीय टीम इन दोनों दिग्गजों के बिना टेस्ट मुकाबलों में इंग्लैंड से भिड़ेगी। भारत का ऐतिहासिक रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में कमजोर रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच 136 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें भारत ने केवल 35 में जीत दर्ज की है जबकि इंग्लैंड ने 51 मैचों में बाजी मारी है। वहीं, 50 मैच ड्रॉ पर खत्म हुए हैं। यह आंकड़ा बताता है कि भारत को इंग्लैंड पर पकड़ मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। हालांकि, पिछली सीरीज में भारत ने इंग्लैंड को करारी शिकस्त दी थी। 2024 की घरेलू सीरीज में भारत ने पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला 4-1 से अपने नाम की थी। उस सीरीज में यशस्वी जायसवाल ने बल्ले से कहर बरपाते हुए 712 रन बनाए थे जबकि रविचंद्रन अश्विन ने 26 विकेट झटके थे। इंग्लैंड की ओर से जैक क्रॉली ने 407 रन बनाए और टॉम हार्टले ने 22 विकेट हासिल किए थे। इस बार सीरीज का पहला मुकाबला 20 से 24 जून तक खेला जाएगा, जबकि आखिरी टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच होगा। बाकी टेस्ट मैच क्रमशः 2-6 जुलाई, 10-14 जुलाई और 23-27 जुलाई तक आयोजित किए जाएंगे। वहीं टीम इंडिया के कप्तान को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बार शुभमन गिल को कप्तानी सौंपी जा सकती है। चयन समिति की बैठक 23 या 24 मई तक होने की उम्मीद है। गिल पहले ही लिमिटेड ओवर फॉर्मेट में उप-कप्तान की भूमिका निभा चुके हैं और उन्होंने जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 सीरीज में भारत का नेतृत्व भी किया था। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि युवा जोश से लैस भारतीय टीम इंग्लैंड जैसी अनुभवी टीम के खिलाफ कैसे प्रदर्शन करती है और क्या गिल के नेतृत्व में भारत टेस्ट इतिहास में नया अध्याय लिख पाएगा।

केकेआर का प्लेऑफ में पहुंचने का सपना टूटा

बेंगलुरु।

इंडियन प्रीमियर लीग में गत दिवस बारिश के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मैच नहीं होने से केकेआर की टीम को करारा झटका लगा है। प्लेऑफ में अपनी संभवनाओं के लिए उसके ये मैच जीतन जरुरी था। वहीं आरबीसी अगर ये मैच जीतती तो वह प्लेऑफ में पहुंच जाती। केकेआर का अब केवल एक मैच बचा है। अब तक 13 मैच खेलने के बाद 5 जीत, 6 हार और 2 बेनतीजा रहे मैचों के कारण टीम के कुल 12 अंक हैं। ऐसे में अगर वह अपना अंतिम मुकाबला जीतती है तो भी कुल14 अंकों तक पहुंच सकती है। ऐसे में उसका प्लेऑफ में पहुंचना कठिन जरुर है पर असंभव नहीं । केकेआर आब भी प्लेऑफ में पहुंच सकती है। उसका उनका नेट रन रेट (एनआरआर) भी कम है वहीं आरसीबी 17 अंक, गुंजरात टाइटंस 16 अंक, पंजाब किंग्स (15 अंक) और मुम्बई इंडियंस 14 अंक पहले से ही आगे चल रहे अपने अपने बचे हुए मैचों में उसके पास अपने अंक को बढ़ाने का अवसर भी है। आरसीबी के 12 मैच खेलने के बाद 8 जीत, 3 हार और 1 बेनतीजा रहे मैच से कुल 17 अंक हो गये हैं और व नंबर एक पर है हैं। अंक तालिका में दूसरे नंबर पर बरकारार गुजरात टाइटंस के 11 मैच में 8 जीत और 3 हार से 16 अंक है। इन टीमों को अपने तीन-तीन मैचों में से केवल एक जीतना है।

कोलकाता में ही खेला जाएगा आईपीएल फाइनलः गांगुली

कोलकाता।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फाइनल की मेजबानी कोलकाता के ईडन गार्डन की जगह किसी अन्य स्थल को दिये जाने की चर्चाओं के बीच ही भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि ये इतना आसान नहीं है। गांगुली के अनुसर बंगाल बोर्ड (कैब) के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से अच्छे संबंध हैं। इसलिए उन्हें पूरा भरोसा है कि फाइनल कोलकाता से बाहर नहीं जाएगा। शुरुआत में फाइनल कोलकाता में 25 मई को खेला जाना तय था पर बीच में भारत-पाकिस्तान के बची टकराव के कारण आईपीएल एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया था। दौबारा शुरु होने पर बोर्ड ने तीन जून को खेले जाने वाले फाइनल के स्थल की जानकारी नहीं दी। ये कहा जा रहा है कि इस दिन कोलकाता में बारिश की संभावना को देखते हुए फाइनल किसी अन्य स्थल पर खेला जाएगा।

कैब के पूर्व अध्यक्ष रहे गांगुली से जब पूछा गया कि क्या कोलकाता तय कार्यक्रम के अनुसार ही फाइनल मैच की मेजबानी करेगा तो उन्होंने कहा, 'हम प्रयास कर रहे हैं। साथ ही कहा कि है? यह ईडन का प्लेऑफ है, और मुझे भरोसा है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा क्योंकि मैच को अचानक ही किसी दूसरे स्थल पर ले जाना आसान नहीं है। इसी बीच प्रशंसकों ने भी मांग की है कि फाइनल कोलकाता में ही खेल जाना चाहिये।

गांगुली ने कहा कि विरोध से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वहीं प्लेऑफ स्थलों को तय करने में हो रही पर गांगुली ने कहा, 'कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस मैदान पर अपने लीग मैच खेले हैं, इसलिए कोलकाता पहली सूची में शामिल नहीं है।' ईडन गार्डन को 2024 सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिताब जीतने के कारण इस सत्र के फाइनल के मेजबानी का अधिकार मिला था। इस स्थल में ही आईपीएल का उद्घाटन मैच भी खेला गया था।

वहीं बीसीसीआई ने हालांकि फाइनल के लिए नए स्थल के बारे में जानकारी नहीं दी है। जिससे भी कई प्रकार की अटकलें चल रही हैं। बदलाव के पीछे का कारण मौसम की भविश्यवाणी माना जा रहा है, क्योंकि कोलकाता से ही दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत होती है

वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में बच्चों की एंट्री मुफ्त

टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए वेस्टइंडीज बोर्ड का बड़ा फैसला,

बारबाडोस।

दुनियाभर में टेस्ट क्रिकेट का आकर्षण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है और इसे बचाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और तमाम क्रिकेट बोर्ड्स नए-नए कदम उठा रहे हैं।

हाल ही में आईसीसी ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की पुरस्कार राशि को दोगुना कर दिया है, वहीं अब वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने टेस्ट क्रिकेट को बच्चों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए एक अनोखा फैसला लिया है। सीडब्ल्यूआई ने घोषणा की है कि वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान बच्चों को स्टेडियम में प्रवेश के लिए कोई टिकट नहीं खरीदना पड़ेगा। इस फैसले का मकसद युवा पीढ़ी में टेस्ट क्रिकेट के प्रति रुचि जगाना है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के सीईओ क्रिस डेह्रिंग ने इस पहल की जानकारी देते हुए कहा कि बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल, ग्रेनेडा नेशनल स्टेडियम और जमैका के सबीना पार्क में होने वाले तीनों टेस्ट मैचों के दौरान सभी बच्चों को निशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। केंसिंग्टन ओवल में आयोजित डब्ल्यूआई होम फुल आह एनर्जी कैंपेन के लॉन्च के दौरान डेह्रिंग ने कहा कि यह निर्णय वेस्टइंडीज क्रिकेट की एक नई नीति के तहत लिया गया है, जिसका उद्देश्य टेस्ट क्रिकेट को फिर से जीवंत करना है।

उन्होंने कहा, ÷सीडब्ल्यूआई में हम मानते हैं कि टेस्ट क्रिकेट तक बच्चों की पहुंच एक मानवाधिकार है। यह जरूरी है कि हमारे बच्चे इस पारंपरिक फॉर्मेट से जुड़ सकें और इसके लिए किसी भी प्रकार की वित्तीय रुकावट उनके सामने न हो।÷ उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों को किसी टिकट की जरूरत नहीं होगी, यह उनका अधिकार है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब यह

अधिकार बच्चों का है, तो यह माता-पिता, सरकारों और समाज की जिम्मेदारी है कि वे इस अधिकार को बच्चों तक पहुंचाएं। वहीं, सीडब्ल्यूआई के अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो ने उम्मीद जताई है कि इस पहल से स्टेडियम में दर्शकों की संख्या में इज़ाफा होगा और टेस्ट मैचों का माहौल पहले की तरह जोशभरा होगा। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस उम्र तक के बच्चों को मुफ्त प्रवेश की सुविधा मिलेगी। वेस्टइंडीज का यह कदम निश्चित रूप से टेस्ट क्रिकेट को नई पीढ़ी में पुनर्जीवित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास माना जा रहा है।

रोहित ने मजाकिया अंदाज में प्रशंसक को मुक्का दिखाया

मुम्बई।

भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट प्रारुप से संन्यास लिया है। इसके बाद रोहित का वानखेडे स्टेडियम में सम्मान किया गया। इस दौरान रोहित ने माता पिता के त्याग और बलिदान को भी याद किया। वे समारोह में अपने प्रशंसकों से भी मिले। इस दौरान वह एक प्रशंसक को हंसी-मजाक में मुक्का दिखाते दिखे। इसके अलावा छोटे भाई को डांटने का उनका वीडियो भी वायरल हुआ है। रोहित ने अपने एक प्रशंसक दीपक पटेल के साथ भी हंसी मजाक किया। दीपक को भारतीय झंड लहराते हुए देखकर रोहित ने कुछ समय के लिए उनसे बातचीत की और एक तस्वीर भी खिंचवाई। रोहित जब स्टेडियम में मंच की ओर बढ़ रहे थे तो तभी एक प्रशंसक ने उन्हें आवाज दी। वह रोहित से हाथ मिलाने का प्रयास कर रहा था। तब रोहित ने आगे बढ़कर उससे हाथ मिलाया। मुंबई ने स्टेडियम में रोहित ने माता-पिता और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ खड़े होकर स्विच दबाया जिससे रोहित शर्मा स्टैंड का अनावरण हुआ। इस पल को रंगीन आतिशबाजी ने और भी खूबसूरत बना दिया। इस रोहित की पत्नी, रितिका बेहद खुश नजर आयीं। इससे पहले इस स्टेडिया में पूर्व भारतीय कप्तान अजीत वाडेकर और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष शरद पवार के नाम पर भी स्टैंड बना है। रोहित ने कहा कि अपने नाम पर स्टैंड बनना और दिग्गजों के साथ नाम आने की उन्होंने कल्पन तक नहीं की थी।

विराट को अंडर-17 खेलने के समय से जानता हूंः ईशांत

नई दिल्ली।

अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने कहा है कि विराट कोहली के साथ वह काफी पहले से हैं। ईशांत ने कहा कि वह विराट को तब से जानते है जब वे दोनो अंडर-17 में साथ खेलते थे। इसके बाद उन्होंने विराट के साथ सीनियर भारतीय टीम में भी खेला था। ईशांत ने कहा, मुझे लगता है कि विराट मेरे लिए स्टार नहीं बचपन के दोस्त हैं। ईशांत ने अपने टेस्ट करियर में 105 मैचों में 434 विकेट लिए हैं। दोनो ने अंडर-19 टीम में बिताए गए दिनों को याद करते हुए कहा कि वे दोनों साथ में कमरे में रहा करते थे। ईशांत ने कहा कि जब हम अंडर-19 में थे, तब हम पैसे गिनते थे कि हमारे पास कितने हैं। हम खाना खाते थे, पैसे बचाते थे। इसलिए विराट हर किसी के लिए अलग हैं पर मेरे लिए वो पहले वाले विराट ही हैं। हाल ही में एक आईपीएल मैच से पहले दोनों को मैदान पर गले मिलते हुए देखा गया था, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुईं हैं। ईशांत ने बताया कि उनकी और कोहली की मुलाकातों में क्रिकेट की बात कम होती है, और अधिकतर समय हंसी-मज़ाक और मस्ती होती है। ईशांत ने कहा कि मैंने कभी महसूस नहीं किया कि वो विराट है। मेरे लिए वह हमेशा चीकू रहा है क्योंकि हम दोनो लंबे समय से एकसाथ रहे हैं।

आरसीबी के पास इस बार खिताब जीतने का सुनहरा मौकाः सुरेश रैना

नई दिल्ली।

आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शानदार लय में नजर आ रही है और पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार टीम के पास खिताब जीतने का बेहतरीन मौका है। विराट कोहली की कप्तानी में 2016 में फाइनल तक पहुंची बेंगलुरु की टीम उस साल सनराइजर्स हैदराबाद से हार गई थी, लेकिन अब टीम के प्रदर्शन में निखार आया है। रैना ने कहा कि बेंगलुरु इस बार अलग स्तर की क्रिकेट खेल रही है। उन्होंने चिन्नास्वामी स्टेडियम में कम स्कोर 150 और 136 रन का सफलतापूर्वक बचाव कर दिखाया है, जो उनके गेंदबाजी आक्रमण की मजबूती को दर्शाता है। इसके साथ ही नए कप्तान के नेतृत्व में टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स जैसी मजबूत टीम को दो बार हराया है, जो उनके आत्मविश्वास और रणनीति का प्रमाण है।

रैना ने आगे कहा कि ड्रेसिंग रूम में पॉजिटिव माहौल है और खिलाड़ी एकजुटता के साथ खेल रहे हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स जैसी टीमें भी अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन यह साल विराट कोहली का हो सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कोहली इस साल आरसीबी को पहली बार आईपीएल ट्रॉफी दिला सकते हैं, जिससे 18 साल का इंतजार खत्म हो सकता है। रैना ने सोमवार को एक ट्वीट में भी कोहली की जमकर तारीफ की थी।

उन्होंने लिखा, 'आपकी टेस्ट क्रिकेट में जुनून और नेतृत्व ने

लाखों लोगों को प्रेरित किया है, भाई! प्यार और सम्मान।' कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी और अब 10 दिन के ब्रेक के बाद वे आईपीएल में वापसी कर रहे हैं।

इंग्लैंड की काउंटी टीम से खेल सकते हैं विराट

लंदन।

हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इंग्लैंड की काउंटी टीम से खेल सकते हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार इंग्लैंड की काउंटी टीम मिडिलसेक्स ने कहा है कि वह विराट को शामिल कर सकती है। इसकी संभावनाएं इसलिए भी जतायी जा रही है क्योंक विराट ने टेस्ट से तो संन्यास ले लिया है पर कहीं पर भी प्रथम श्रेणी क्रिकेट की बात नहीं की है। इससे संभावना है कि वह मिडिलसेक्स के लिए काउंटी क्रिकेट खेलें। मिडिलसेक्स स्टार क्रिकेटरों को शामिल करता रहा है। उसने साल 2019 में दक्षिण अफ्रीका के एबी डी विलियर्स को टी20 ब्लास्ट के लिए अपनी टीम में शामिल किया था। वहीं इस सत्र के दूसरे भाग के लिए उसने न्यूजीलैंड के केन विलियमसन को खरीदा। विलियमसन लंदन स्पिरिट की ओर से भी खेलेंगे। वहां के अधिकारियों ने संकेत दिया है कि वे कोहली को खरीदने के लिए बेताब हैं और इसके लिए उन्हें बड़ा प्रस्ताव दिया जा सकता है। मिडलसेक्स काउंटी चैम्पियनशिप के दूसरे डिवीजन में है, वह डर्बीशायर और ग्लूसेस्टरशायर के खिलाफ सितंबर में लॉर्ड्स में खेलेंगे। अगर मिडलसेक्स विराट कोहली को शामिल करने में सफल रहता है तो प्रशंसकों को विलियमसन और कोहली की जोड़ी एक साथ फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलती हुई दिखाई दे सकती है। वहीं ये जेम्स एंडरसन का समाना करते दिख सकते हैं। कोहली ने साल 2018 में काउंटी क्रिकेट खेलने की इच्छा जतायी थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

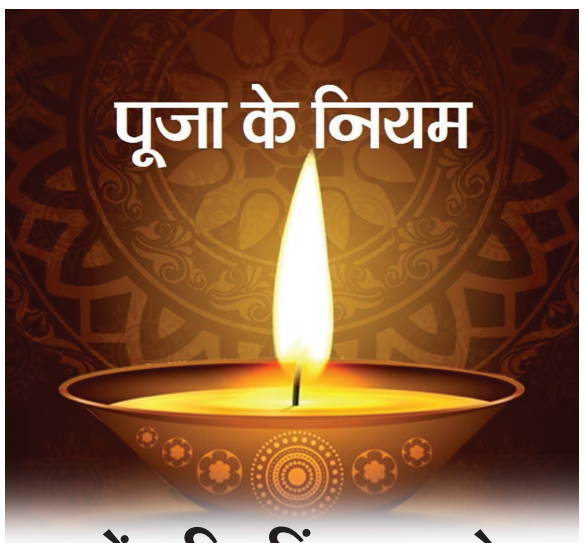

घर में 2 शिवलिंग, 3 गणेश, 2 शंख, और 3 दुर्गा मूर्ति भूलकर भी न रखें

हम सभी के घर में भगवान का मंदिर होता है लेकिन अज्ञानतावश हम कुछ गलतियां कर जाते हैं। प्रस्तुत है कुछ आवश्यक महत्वपूर्ण जानकारियां.

एक घर में कम से कम पांच देवी देवताओं की पूजा होनी ही चाहिए-गणेश, शिव, विष्णु, सूर्य, दुर्गा। किसी भी देव या देवी के पूजन के प्रति संकल्प, एकाग्रता, श्रद्धा होना बहुत ही आवश्यक है।

गृहे लिंगद्वयं नाच्यं गणेशत्रितयं तथा।
शंखद्वयं तथा सूर्यो नार्च्यो शक्तित्रयं तथा।
द्वे चक्रे द्वारकायास्तु शालग्राम शिलाद्वयम।
तेषां तु पुजनेनैव उद्वेगं प्राप्नुयाद् गृही।

अर्थ- घर में दो शिवलिंग, तीन गणेश, दो शंख, दो सूर्य, तीन दुर्गा मूर्ति, दो गोमती चक्र और दो शालिग्राम की पूजा करने से गृहस्थ मनुष्य को अशांति होती है।

- शालिग्राम जी की प्राण प्रतिष्ठा की आवश्यकता नहीं होती।
- दुर्गा की एक,सूर्य की सात,गणेश की तीन,विष्णु की चार और शिव की आधी ही परिक्रमा करनी चाहिए।
- तुलसी के बिना ईश्वर की पूजा पूर्ण नहीं मानी जाती। तुलसी की मंजरी सब फूलों से बढ़कर मानी जाती है।
- अमावस्या,पूर्णिमा,द्वादशी और रात्रि और संध्या काल में तुलसी दल नहीं तोड़ना चाहिए।
- प्रतिदिन पंचदेव पूजा अवश्य करनी चाहिए।
- यदि कोई मंत्र कंठस्थ न आता हो तो बिना मंत्र के ही जल, चंदन ,फूल आदि चढ़ाकर पूजा करनी चाहिए। फूल चढ़ाते समय ध्यान रखें कि उसका मुख ऊपर की ओर हो।
- सदैव दाएं हाथ को अनामिका एवं अंगूठे की सहायता से फूल अर्पित करने चाहिए। चढ़े हुए फूल को अंगूठे और तर्जनी की सहायता से उतारना चाहिए।
- फूल की कलियों को चढ़ाना मना है,किंतु यह नियम कमल के फूल पर लागू नहीं है।

जानिए गंगा का जल क्यों नहीं होता कभी खराब

भारतीय संस्कृति में नदियों को देवी के रूप में पूजा जाता है। प्रमुख वार-त्योहारों पर श्रद्धालु इन्ही नदियों के घाट किनारे स्नान करने जाते है और पात्रों में भरकर इन नदियों के जल को अपने घरों में भी लाते हैं। इस जल का उपयोग घर की शुद्धि करने, चरणामृत में मिलाने, पूजा या अनुष्ठान करने जैसे कई धार्मिक कार्यों में किया जाता है। लगभग हर हिन्दू परिवार में आपको एक कलश मिल ही जाएगा जिसमे गंगाजल होता है। भारत में लोग गंगा जल को सबसे ज्यादा पवित्र मानते हैं और बताते हैं कि इसका पानी कभी खराब नहीं होता। अब सवाल ये है कि इतने अवांछित पदार्थों के मिल जाने के बाद भी गंगा जल आखिर खराब क्यों नहीं होता? हिन्दू वेद-पुराणों और धार्मिक ग्रंथों की माने तो उनमें गंगा की महिमा का वर्णन कई कथाओं के माध्यम से मिल जाएगा। इस विषय में एक घटना ये भी प्रचलित है कि एक ब्रिटिश वैज्ञानिक ने वर्ष 1890 में गंगा के पानी पर रिसर्च भी की थी। दरअसल, उस दशक में भारत के कई हिस्सों में हैजा का भयंकर प्रकोप था, जिसने कई लोगों की जान ली थी। उस समय लोग लाशों को गंगा नदी में फेंक जाते थे। गंगा के उसी पानी में नहाकर या उसे पीकर अन्य लोग बीमार ना पड़ जाए, इसी बात की चिंता उस वैज्ञानिक को थी। लेकिन, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और गहन शोध के बाद उसने यह पाया की गंगा नदी के पानी में विचित्र वायरस है जो इसमें मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है। इस वजह से गंगा के पानी को के बाद भी उसमें से दुर्गंध नहीं आती।

'पवित्रता के पर्याय' गंगाजल का नाम आते ही ये सवाल हमारे मन में जरूर आता है। लेकिन इसका जवाब भी वैज्ञानिकों ने खोज निकाला है। दरअसल, हिमालय में स्थित गंगोत्री से निकली गंगा का जल इसलिए कभी खराब नहीं होता, क्योंकि इसमें गंधक, सल्फर इत्यादि खनिज पदार्थों की सर्वाधिक मात्रा पाई जाती है। राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान रूड़की के वैज्ञानिकों का कहना है कि गंगा का जल हिमालय पर्वत पर उगी कई उपयोगी जड़ी-बूटियों को स्पर्श करते हुए आता है। एक अन्य रिपोर्ट ये भी दावा करती है कि गंगा जल में' बैक्ट्रिया फोस' नामक एक विशेष बैक्टीरिया पाया जाता है, जो इसमें पनपने वाले अवांछित पदार्थों को खाता रहता है, जिससे इसकी शुद्धता बनी रहती है।

गंगा हिमालय से शुरू होने के बाद कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे शहरों तक पहुंचती है जहां खेतीबाड़ी का कचरा-कूड़ा और औद्योगिक रसायनों की भारी मात्रा इसके पानी में मिल जाती है , इसके बाद भी गंगा का पानी पवित्र बना रहता है। इसका एक और वैज्ञानिक कारण है कि इसे शुद्ध करने वाला तत्त्व गंगा की तलहटी में ही मौजूद है। कई वर्षों से गंगा के पानी पर शोध करने वाले आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों ने ये निष्कर्ष निकाला है कि गंगा के पानी में वातावरण से आक्सीजन सोखने की अद्भुत क्षमता है, जो दूसरी नदियों के मुकाबले कम समय में पानी में मौजूद गंदगी को साफ

ज्येष्ठ मास की बड़ी बातें, क्या और क्यों है महत्व इस माह का

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार फाल्गुन माह अंतिम माह होता है इसके बाद चैत्र माह वैशाख और फिर ज्येष्ठ। इस बार ज्येष्ठ का प्रारंभ अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 13 माई 2025 से ज्येष्ठ माह प्रारंभ हो गया है। आओ जानते हैं इस माह की बड़ी बातें।

महत्व : ज्येष्ठ मास में सूर्य की तपन अपने चरम पर रहती है। इसीलिए सूर्य की ज्येष्ठता के कारण इस महीने को ज्येष्ठ कहा जाता है। इन दिनों सर्वाधिक बड़े दिन होते हैं। इस माह में नौतपा भी लगता है। शास्त्रों में इसी माह में जल के संरक्षण का महत्व बताया गया है। ज्येष्ठ मास में जल के दान को बहुत बड़ा पुण्य माना गया है। ज्येष्ठ के महीने में भगवान श्रीराम से हनुमान की मुलाकात हुई थी, जिसके चलते ये इस माह के मंगलवार पर हनुमान पूजा का खासा महत्व रहता है।

निम्नलिखित चौपाई से यह पता चलता है कि किस माह में क्या कार्य नहीं करना चाहिए।

चौते गुड़, वैशाखे तेल,
जेठ के पंथ, अषाढ़े बेल।
सावन साग, भादो मही,
कुवांर करेला, कार्तिक दही।
अगहन जीरा, पूसै धना,
माघै मिश्री, फाल्गुन चना।
जो कोई इतने परिहरै,
ता घर बैद पैर नहिं धरै।।
चैत चना, बैसाखे बेल, जैठे शयन,
आषाढ़े खेल, सावन हर्रे, भादो तिल।
कुवार मास गुड़ सेवै नित, कार्तिक मूल,
अगहन तेल, पूस करे दूध से मेल।
माघ मास घी-खिचड़ी खाय,
फागुन उठ नित प्रात नहाय।।

ज्येष्ठ माह में क्या करना और क्या नहीं चाहिए

- ज्येष्ठ माह में दोपहर में चलना खेलना मना है। इन महीनों में गर्मी का प्रकोप रहता है अतः ज्यादा घूमना-फिरना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। अधिक से अधिक शयन करना चाहिए।
- इस माह बेल खाना चाहिए या बेल का रस पीना चाहिए। इस माह में ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए।
- इस माह में लहसुन, राईं, गर्मी करने वाली सब्जियां और फल नहीं खाना चाहिए।
- इस माह में जल की पूजा की जाती है। इस माह में जल को लेकर दो त्योहार मनाए जाते हैं, पहला गंगा दशहरा और दूसरा निर्जला एकादशी।
- घाघ ने कहा कि जो व्यक्ति ज्येष्ठ माह में दिन में सोता है वह रोगी होती है।
- इस माह में बैंगन खाने से दोष लगता है और रोग उत्पन्न होता है। यह संतान के लिए शुभ नहीं होता है।
- ज्येष्ठ के माह में ज्येष्ठ पुत्र या पुत्री का विवाह करना शुभ नहीं माना जाता है।
- ज्येष्ठ माह में एक समय भोजन करना वाला निरोगी रहता है। महाभारत के अनुशासन पर्व में लिखा है- 'ज्येष्ठामूलं तु यो मासमेकभक्तेन संक्षिपेत। ऐश्वर्यमतुलं श्रेष्ठं पुमान्स्त्री वा प्रपद्यते।
- इस माह तिल का दान करने से अकाल मृत्यु से जातक बचा रहता है।
- ज्येष्ठ माह में हनुमानजी की प्रभु श्रीराम से मुलाकात हुई थी। इसीलिए इस माह में हनुमानजी की पूजा करने से लाभ मिलता है।

श्री कृष्ण का वृंदावन धाम 8 रहस्य या चमत्कार

ब्रजमंडल में मथुरा, गोकुल, नंदगांव, वृंदावन, बरसाना, गोवर्धन आदि क्षेत्र आते हैं। मथुरा जहां श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है। वहीं गोकुल उनकी बाललीला की भूमि है। श्रीकृष्ण जब थोड़े बड़े हुए तो वृंदावन उनका प्रमुख लीला स्थली बन गया। उन्होंने यहां रास रचा और दुनिया को प्रेम का पाठ पढ़ाया। बरसाना श्रीराधा की जन्मभूमि है और उनका परिवार भी वृंदावन में आकर रहने लगा था। आओ जानते हैं वृंदावन धाम के 8 चमत्कार या रहस्य को।

रंग महल : वृंदावन में रंग महल है। प्रतिदिन मंदिर के अंदर स्थित रंगमहल में कृष्ण-राधा का पलंग लगा दिया जाता है और पूरा रंगमहल सजा दिया जाता है तथा राधाजी का श्रृंगार सामान रख कर मंदिर के दरवाजे बन्द कर दिए जाते हैं। जब प्रातः दरवाजे खुलते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं। हालांकि शाम के बाद यह मंदिर बंद हो जाता है और यह भी कहा जाता है कि अगर यहां कोई छुपकर रासलीला देखता है

अपने आप बंद होता और खुलता मंदिर : वृन्दावन में श्रीकृष्ण का एक ऐसा मंदिर है जो अपने आप ही खुलता और बंद हो जाता है।

वृंदावन और तुलसी का रहस्य : वृंदा तुलसी को कहा जाता है। यहां तुलसी के पौधे अधिक हैं, इसलिए इसे वृंदावन नाम दिया गया। यानी वृंदा (तुलसी) का वन। कहते हैं कि यहां तुलसी के दो पौधे एक साथ लगे हैं। रात के समय जब राधा और कृष्ण रास रचाते हैं तो यही तुलसी के पौधे गोपियां बनकर उनके साथ नाचते हैं। इन तुलसी का एक भी पत्ता यहां से कोई नहीं ले जाता है। जिसने भी गुपचुप यह कार्य किया वह भारी आपदा का शिकार हो जाता है।

अजीब हैं पेड़ : मंदिर के परिसर में उगने वाले पेड़ और निधिवन में उगने वाले पेड़ भी अजीब है। यहां के पेड़ की शखाएं नीचे की ओर बढ़ती है। जहां आमतौर पर पेड़ ऊपर की तरफ बढ़ते हैं वहीं निधिवन में मौजूद पेड़ों की ऊंचाई बेहद कम हैं और इनकी शाखाएं इसकी जड़ों की ओर बढ़ती है। यहाँ पेड़ भी आपस में गुथे हुए हैं जो इस जगह को देखने में भी रहस्यमयी बनाती है।

मंदिर में करते हैं शयन : मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण रोज रात को खुद शयन करने आते हैं। उनके सोने के लिए मंदिर के पुजारी रोज पलंग लगाते हैं और जिस पर साफ-सुधरी गादी एवं बिस्तर के ऊपर चादर बिछाते हैं। लेकिन कहते हैं कि जब मंदिर खुलता है तो उस बिस्तर की हालत देखकर सभी अचंभित हो जाते हैं, क्योंकि उसे देखकर लगता है कि यहां कोई सोया था।

प्रतिदिन माखन मिश्री का प्रसाद चढ़ाया जाता है और जो बच जाता है उसे मंदिर में ही रख दिया जाता है, लेकिन सुबह तक वह प्रसाद भी समाप्त हो जाता है। आखिर कौन खा जाता होगा वह प्रसाद रात में यहां कोई भी नहीं रुकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार ऐसा बरसों से होता आ रहा है। कुछ लोग इसे अंधविश्वास मानते हैं और कुछ लोग इसे श्रीकृष्ण का चमत्कार।

घरों की खिड़कियां कर देते हैं बंद : यहां के आसपास के अधिकतर घरों में खिड़कियां नहीं हैं और जिनके घरों में हैं वे शाम की आरती के बाद खिड़कियां इस डर से बंद कर देते हैं कि कोई मंदिर की दिशा में देखे नहीं, अन्यथा वह अंधा हो जाएगा।

निधिवन : कहते हैं कि आज भी समय-समय पर प्रभु वृंदावन के निधिवन और मथुवन में रास भी करते हैं। वहां के मंदिरों में भ्रमण भी करते हैं। कहते हैं कि श्रीकृष्ण वृंदावन के निधिवन में रासलीला करने आते हैं और उनके साथ श्रीराधा सहित उनकी अष्ट सखियां भी आती हैं। लोगों का मानना है कि यहाँ हर रात आरती के बाद श्री कृष्ण, राधा और उनकी गोपियाँ रास रचाते हैं। आस-पास रहने वाले कई लोगों का कहना है कि उन्हें कई बार घुंघरूओं की आवाज सुनाई देती है, लेकिन कोई इस रास-लीला को अपनी आँखों से देखने की हिम्मत नहीं रखता, और देख ले तो फिर दुनिया में कुछ और देखने-समझने के लायक नहीं रहता। यानी अंधा हो जाता है। इसलिए अब निधिवन के दरवाजे शाम 7 बजे बंद कर दिया जाते हैं।

हरिदास भक्त : वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर से कई कथाएं जुड़ी हुई है। कहते हैं कि श्री हरिदासजी बांके बिहारी के सबसे बड़े भक्त थे जिनकी भक्ति और चमत्कारों की कई कथाएं प्रचलित हैं। भगवान की भक्त में डूबकर हरिदास जी जब भी गाने बैठते तो प्रभु में ही लीन हो जाते। इनकी भक्ति और गायन से रिझकर भगवान श्री

चतुर्थी का व्रत करने के 2 सबसे बड़े लाभ

प्रत्येक माह में दो चतुर्थी होती है। इस तरह 24 चतुर्थी और प्रत्येक तीन वर्ष बाद अधिमास की मिलाकर 26 चतुर्थी होती है। सभी चतुर्थी की महिमा और महत्व अलग-अलग है। आओ जानते हैं चतुर्थी का व्रत करने के 5 लाभ।

विनायक चतुर्थी

चतुर्थी (चौथ) के देवता हैं शिवपुत्र गणेश। इस तिथि में भगवान गणेश का पूजन से सभी विघ्नों का नाश हो जाता है। भाद्र माह की चतुर्थी को गणेशजी का जन्म हुआ था, जिसे विनायक चतुर्थी कहते हैं। कई स्थानों पर विनायक चतुर्थी को 'वरद विनायक चतुर्थी' और 'गणेश चतुर्थी' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान गणेश की आराधना सुख-सौभाग्य की दृष्टि से श्रेष्ठ है।

संकष्टी चतुर्थी

माघ मास के कृष्ण पक्ष को आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी, माघी चतुर्थी या तिल चौथ कहा जाता है। बारह माह के अनुक्रम में यह सबसे बड़ी चतुर्थी मानी गई है। चतुर्थी के व्रतों के पालन से संकट से मुक्ति मिलती है और आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

चतुर्थी का रहस्य

यह खला तिथि हैं। तिथि 'रिक्ता संज्ञक' कहलाती है। अतः इसमें शुभ कार्य वर्जित रहते हैं। यदि चतुर्थी गुरुवार को हो तो मृत्युदा होती है और शनिवार की चतुर्थी सिद्धिदा होती है और चतुर्थी के 'रिक्ता' होने का दोष उस विशेष स्थिति में लगभग समाप्त हो जाता है। चतुर्थी तिथि की दिशा नैऋत्य है। अमावस्या के बाद आने वाली शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहते हैं और पूर्णिमा के बाद कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहते हैं।

गणेश जी को दूर्वा चढ़ाने के खास नियम हैं

बुधवार और चतुर्थी तिथि गणेशजी के दिन है। इस दिन इनकी विशेष पूजा करना चाहिए। पूजा करने के दौरान गणेशजी को विशेष वस्तुएं अर्पित की जाती है जो कि उनके पसंद की होती है। इन वस्तुओं को अर्पित करने से गणपतिजी प्रसन्न हो जाते हैं। इन्हीं वस्तुओं से एक है दूर्वा। आओ जानते हैं दूर्वाचढ़ाने के खास नियम और मंत्र।

दूर्वा चढ़ाने के खास नियम

- प्रातःकाल उठकर गणेश जी की मूर्ति या तस्वीर के सामने बैठकर व्रत और पूजा का संकल्प लें।
- फिर ऊं गं गणपतयै नमः मंत्र बोलते हुए जितनी पूजा सामग्री उपलब्ध हो उनसे भगवान श्रीगणेश की पूजा करें।
- गणेशजी की मूर्ति पर सिंदूर लगाएं। फिर उन्हें 21 गुड़ की ढेली के साथ 21 दूर्वा चढ़ाएं। मतलब 21 बार 21 दूर्वा की गाठें अर्पित करना चाहिए। इसके अलावा गणेशजी को मोदक और मोदीचूर के 21 लड्डू भी अर्पित करें। इसके बाद आरती करें और फिर प्रसाद बांट दें।
- दूर्वा अर्पित करने का मंत्र : 'श्री गणेशाय नमः दूर्वाकुरान समर्पयामि।' : इस मंत्र के साथ श्रीगणेशजी को दूर्वा चढ़ाने से जीवन की सभी विघ्न समाप्त हो जाते हैं और श्रीगणेशजी प्रसन्न होकर सुख एवं समृद्धि प्रदान करते हैं।
- क्या होगा दूर्वा अर्पित करने से : इस दिन गणेशजी को दूर्वा चढ़ाकर विशेष पूजा की जाती है। ऐसा करने से परिवार में समृद्धि बढ़ती है और मनोकामना भी पूरी होती है। इस व्रत का जिक्र स्कंद, शिव और गणेश पुराण में किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी के सामने दुश्मन संघर्षविराम करने को मजबूर हुआ

जम्मू-कश्मीर के एलजी ने एलओसी पर तैनात सैन्य कर्मियों को किया संबोधित

जम्मू।

जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि पड़ोसी देश में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सशस्त्र बलों की पहुंच से बाहर हो। सिन्हा ने यह टिप्पणी एलओसी पर तैनात सैन्य कर्मियों को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी देखी है और फिर दुश्मन संघर्षविराम के लिए पूरी दुनिया के सामने गिड़िगड़ाया है। पाकिस्तान में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सेना की पहुंच से बाहर हो।

एलजी सिन्हा ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला और कहा कि दुश्मन कर्ज के दम पर मानवता को नष्ट कर रहा है। मुझे लगता है कि हमारे वीर सैनिकों द्वारा दिए गए जवाब से उन्हें सबक मिल गया होगा। मैं आपकी वीरता, पराक्रम और मां भारती के प्रति आपकी भक्ति को नमन करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि जब भी ऐसा संकट आए, तो लोगों को पता चले कि हमारा देश आप जैसे वीरों के सुरक्षित हाथों में है।

एलजी ने सेना और पुलिस कर्मियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि देश सतर्कता, समर्पण, बहादुरी और सर्वोच्च बलिदान के साथ जीवन की रक्षा करने और हमारी सीमाओं की रक्षा करने के लिए सशस्त्र बलों का आभारी है। उनहोंने कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि हमारे जवान दुश्मन के किसी भी दुस्साहस का डटकर सामना करेंगे। बाद में सिन्हा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सेना और पुलिस अधिकारियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। तंगधार में हमारे बहादुर जवानों से

बातचीत की। वे देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ डटे हैं। सिन्हा ने तंगधार सेक्टर में सीमा क्षेत्र का दौरा किया और पाकिस्तान द्वारा भारी गोलाबारी से हुए नुकसान का आकलन किया।

न्यूज़ चैनलों से जनता का मोह भंग हो रहा है

भारत-पाकिस्तान के बीच हमले में भी न्यूज़ चैनलों की नहीं बढी टीआरपी

नई दिल्ली।

भारत के न्यूज़ चैनल जनता के बीच अब वैसे लोकप्रिय नहीं रहे। जो लगभग एक दशक पहले होते थे। न्यूज़ चैनल के प्रति आम दर्शकों का रुझान घटता जा रहा है।इसके स्थान पर मनोरंजन और खेल के चैनल ज्यादा तेजी के साथ आम जनता के बीच में लोकप्रिय हो रहे हैं। टीवी न्यूज़ चैनल के दर्शकों के बारे में बार्क इंडिया के जो ताजा आंकड़े सामने आए हैं। उसके अनुसार भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान भी राष्ट्रीय न्यूज़ चैनल अपने दर्शकों के बीच टीआरपी नहीं बढ़ा पाए।ऑपरेशन सिंदूर के समय भी न्यूज़ चैनलों से ज्यादा टीआरपी आईपीएल के दर्शकों की रही है। बार्क इंडिया ने जो आंकड़े जारी किए हैं। उसके अनुसार आईपीएल स्थगित होने के बाद भी हिंदी न्यूज़ चैनलों की टीआरपी में मात्र चार फ़ीसदी का इजाफा हुआ। यह ऐसे समय हुआ, जब ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राष्ट्रीय चैनल भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को लेकर समाचार लगातार दे रहे थे। सभी हिंदी न्यूज़ चैनल में जितने दर्शक थे। उससे दो गुना ज्यादा दर्शक स्टार स्पोर्ट में पुराने मैच को देख रहे थे। भारत और पाकिस्तान के बीच हो रही सैन्य गतिविधि के समाचारों को प्रसारित करने के बाद भी मात्र 29 फ़ीसदी ग्रोथ राष्ट्रीय न्यूज़ चैनल की रही। अंग्रेजी चैनल में भी मात्र 26 फ़ीसदी की ग्रोथ देखी गई। ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बार्क) टीवी के दर्शकों की संख्या और दर्शकों के पैटर्न को मापने वाली एजेंसी है। टीवी के दर्शक कब कौन से चैनल को देखते हैं। इसके अनुसार रेटिंग देने का काम करती है। इसी रेटिंग के आधार पर चैनलों को विज्ञापन मिलते हैं। उसी के अनुसार चैनलों की विज्ञापन दरें तय होती हैं। जिस तरीके से हिंदी के राष्ट्रीय न्यूज़ चैनल के दर्शक कम होते जा रहे हैं। यह राष्ट्रीय न्यूज़ चैनलों के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। हिंदी न्यूज़ चैनल की वह विश्वसनीयता नहीं रही। राष्ट्रीय न्यूज़ चैनल की आय घटती जा रही है। आम जनता राष्ट्रीय न्यूज़ चैनलों से दूर होती चली जा रही है।

पाक चौकियों पर भारतीय सेना का करारा जवाबः ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो जारी, सेना बोली- गोली चलाने वालों को मिट्टी में मिला दिया

नई दिल्ली।

भारतीय सेना ने रविवार को ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो जारी करते हुए स्पष्ट किया कि 10 मई को पाकिस्तान की जिन चौकियों से सीजफायर का उल्लंघन कर भारत की ओर गोलियां चलाई गई थीं, उन्हें जवाबी कार्रवाई में ध्वस्त कर दिया गया है। सेना ने कहा कि हमारी कार्रवाई स्पष्ट और निर्णायक थी – जहां से गोली चली, वहां तबाही छोड़ी। सेना ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच आज डीजीएमओ स्तर की कोई बातचीत प्रस्तावित नहीं है। हालांकि, 12 मई को हुई बैठक में सीजफायर पर बनी सहमति को लेकर सेना ने कहा है कि इस समझौते की कोई निर्धारित समयसीमा नहीं है और यह आगे भी लागू रहेगा।

विदेश मंत्री के बयान पर राजनीतिक विवाद

इस बीच, विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों पर भी सेना और विदेश मंत्रालय ने स्पष्टीकरण दिया है। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि ऑपरेशन शुरू होने के बाद पाकिस्तान को चेतावनी दी गई थी कि भारत आतंक के ठिकानों पर कार्रवाई करेगा, लेकिन पाकिस्तान ने संवाद से इनकार किया और प्रतिकार की धमकी दी। वहीं, विदेश मंत्रालय ने भी राहुल गांधी के बयान को ÷भ्रामक÷ बताया और कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ऑपरेशन के बाद की स्थिति पर बयान दिया था, न कि

पहले की, जैसा कि दावा किया गया है।

इस प्रकार सेना ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि वह सीमा पर हर हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार है, और किसी भी राजनीतिक भ्रम को दूर करने के लिए तथ्यों को सामने लाया जाएगा।

1000-500 को मारने से कुछ नहीं होगा, पाक में 24 करोड़ आतंकवादी

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मशहूर शिक्षक खान सर का वीडियो वायरल

पटना।

पहलगाम हमले को लेकर भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर पटना के मशहूर शिक्षक खान सर का बयान वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से हम सुधरने की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि 500-1000 आतंकवादी को मारने से कुछ नहीं होगा। उन्होंने पाकिस्तान की पूरी आबादी को आतंकवादी बता दिया है। खान सर ने कहा कि पाकिस्तान में 24 करोड़ आतंकवादी रहते हैं। यह हमारी गलतफहमी है कि हम पाकिस्तान से आतंकवादी को खत्म कर देंगे। एक भी पाकिस्तानी जिंदा है तो वह आतंकवादी ही है। इस गलतफहमी से खुद को निकाल लीजिए कि पाकिस्तान में कोई अच्छा आदमी भी रहता है। पाकिस्तान पर होने वाली जवाबी कार्रवाई से खान सर असंतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को पाकिस्तान को और नुकसान पहुंचाना था। उसके सभी एयरपोर्ट को तबाह कर देना था। इससे वहां की जनता को यह एहसास होता कि पाकिस्तान ने ही गलती की है। उनके इस बयान का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इससे पहले एक पॉडकास्ट में खान सर ने पाकिस्तान के नक्शे की तुलना एक कुत्ते से की थी, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि भारत का पड़ोसी कुत्ते से भी गया गुजरा है। कुत्ता फिर भी वफादार होता है, लेकिन पाकिस्तान नहीं। उन्होंने चीन और पाकिस्तान से भारत के संबंधों को लेकर भी बोला।

विधानसभाओं में कम हो रही हैं बैठकें

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य मे मात्र 16 बैठकें

नई दिल्ली।

लेजिस्लेटिव रिसर्च संस्था की वार्षिक रिपोर्ट 2024 जारी हुई है। इस रिपोर्ट के अनुसार 2024 में राज्य विधानसभा में बहुत कम बैठकों का आयोजन हुआ है। ओसतन 20 दिन ही विधानसभा की बैठक आयोजित हुई हैं। भारत की विभिन्न विधानसभाओं में औसतन 100 घंटे का ही कामकाज हुआ है। उड़ीसा में 42 दिन, केरल में 30 दिन, पश्चिम बंगाल में 36 दिन विधानसभा की बैठक आयोजित हुई है। इन तीन राज्यों में सबसे ज्यादा बैठकें आयोजित हुई हैं। नागालैंड में मात्र 6 दिन, सिक्किम में 8 दिन, पंजाब, उत्तराखंड,अरुणाचल प्रदेश में केवल 10 दिन की बैठक हुई हैं। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े हिंदी भाषी राज्यों में मात्र 16

दिन ही विधानसभा की बैठक की कार्रवाई हो पाई है।

विधानसभा का 6 महीने में काम से कम एक बार सत्र बुलाया जाना अनिवार्य होता है। इसका पालन करने के लिए 11 राज्यों ने मात्र एक या दो दिन का सत्र बुलाकर औपचारिकता पूरी की है। झारखंड और महाराष्ट्र जैसे राज्य में भी 2023 की तुलना में 2024 में कम बैठक आयोजित की गई है। पिछले कुछ वर्षों में विधानसभा की बैठकें निरंतर कम होती चली जा रही हैं। जिसके कारण विधायकों को अपना पक्ष रखने का मौका विधानसभा में नहीं मिलता है। राज्य सरकारें विधानसभा के प्रति अपनी जवाब देही को कम करने के उद्देश्य से कम से कम बैठक बुलाना चाहते हैं। राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष भी सरकार को बैठक बुलाने के लिए बाध्य नहीं कर सकते हैं। जिसके परिणाम स्वरुप राज्य सरकारें कम दिन के सत्र का आयोजन कराती हैं।

मिस वर्ल्ड 2025 स्पोर्ट्स चैलेंज में मिस एस्टोनिया ने जीता स्वर्ण, हैदराबाद में रचा इतिहास

हैदराबाद।

हैदराबाद के गाचीबौली स्टेडियम में शनिवार को आयोजित मिस वर्ल्ड 2025 स्पोर्ट्स चैलेंज में मिस एस्टोनिया एलिसे रैंडमा ने स्वर्ण पदक जीतकर अपने देश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। यह पहली बार है जब एस्टोनिया की किसी प्रतिभागी ने 1999 के बाद मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के अगले दौर में प्रवेश किया है। इस जीत के साथ एलिसे यूरोप की शीर्ष 10 क्वार्टर-फाइनलिस्ट्स में शामिल हो गई हैं।

इस प्रतिष्ठित स्पोर्ट्स चैलेंज में विश्वभर की 108 सुंदरियों ने भाग लिया, जिन्हें चार क्षेत्रीय टीमों–अमेरिकाज और कैरिबियन, अफ्रीका, यूरोप, तथा एशिया और ओशिनिया–में बाँटा गया था। प्रतियोगिता में बैडमिंटन नॉकआउट, शॉट पुट, शतरंज, बास्केटबॉल, फुटबॉल पेनल्टी शूटआउट, शटल रन, स्प्रिंट और जुम्बा सत्र जैसे विविध एथलेटिक इवेंट शामिल थे। इस चुनौती का उद्देश्य केवल शारीरिक क्षमता नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य, मानसिक दृढ़ता और टीम भावना का मूल्यांकन करना था।

मिस मार्टीनिक ऑरेलि जोआचिम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रजत पदक प्राप्त किया, जबकि मिस कनाडा एम्मा

मॉरिसन ने बैडमिंटन स्पर्धा में शानदार खेल दिखाते हुए कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। त्रिनिदाद और टोबैगो की अन्ना-लीस नैन्टन मामूली अंतर से पदक चूक गईं लेकिन अपने प्रभावशाली प्रदर्शन से दर्शकों और निर्णायकों का ध्यान खींचा।

स्पोर्ट्स चैलेंज, मिस वर्ल्ड की प्रमुख फास्ट-ट्रैक प्रतियोगिताओं में से एक है। इस प्रतियोगिता की विजेता को मिस वर्ल्ड स्पोर्ट्स या स्पोर्ट्सवुमन का खिताब दिया जाता है और वह सीधे टॉप 40 क्वार्टर-फाइनल में प्रवेश पाती है, जो मिस वर्ल्ड का ताज जीतने की दिशा में एक बड़ा कदम होता है।

एलिसे रैंडमा की इस ऐतिहासिक जीत ने न केवल एस्टोनिया को गर्व का मौका दिया है, बल्कि उन्होंने खेल के मैदान में आत्मविश्वास, शक्ति और सकारात्मकता की मिसाल पेश की है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री राणे को दिया झटका, 30 एकड़ वनभूमि वापस देने के निर्देश

कहा-भ्रष्टाचार के ऐसे मामले पूरे देश में फैले, सभी राज्य ऐसी डील्स की कराएं जांच

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के कार्यकाल में किए गए एक विवादित भूमि सौदे को अवैध करार दे दिया है। यह फैसला देश की न्यायपालिका की दृढ़ता और संविधान की सर्वोच्चता को दर्शाता है। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने सीजेआई पद की शपथ लेने के 24 घंटे के अंदर यह फैसला सुनाते हुए महाराष्ट्र की 30 एकड़ वनभूमि को तत्काल वन विभाग को लौटाने का निर्देश दिया है।

यह जमीन 1998 में, जब नारायण राणे महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री थे, बिल्डरों को दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस डील को ÷अवैध और जनहित के खिलाफ÷ बताया है। कोर्ट ने न केवल इस सौदे को रद्द किया, बल्कि नेता, बिल्डर और अफसरों की गठजोड़ की ओर भी इशारा किया, जिसे 'जनता के विश्वास के साथ विश्वासघात' कहा गया। जस्टिस गवई ने साफ कहा कि भ्रष्टाचार के ऐसे मामले पूरे देश में फैले हैं और सभी राज्यों को इस तरह की डील्स की जांच करनी चाहिए।

कोर्ट ने आदेश में कहा कि ऐसी डील्स सिर्फ विकास के नाम पर सरकारी संपत्तियों की लूट है, जिनका मकसद कुछ खास निजी हितों को फायदा पहुंचाना होता है। इस फैसले से बीजेपी की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति भी कटघरे में आ गई। नारायण राणे फिलहाल केंद्र सरकार में मंत्री हैं, जबकि उनके बेटे नितेश राणे महाराष्ट्र सरकार में मंत्री हैं। राजनीतिक हलकों में इस फैसले के दूरगामी असर की चर्चा हो रही है।

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि सीजेआई गवई ने राणे को पहली ही गेंद पर क्लीन बोल्ड कर दिया। इस फैसले को लेकर सोशल मीडिया पर भी प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं, जहां लोग इसे भ्रष्टाचार पर न्यायपालिका का सीधा प्रहार बता रहे हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि न्यायपालिका संविधान की रक्षा में अडिग है और किसी भी सियासी दबाव के आगे झुकने वाली नहीं।

ग्रेटर नोएडा में लघु उद्योग योजना के नाम पर फर्जीवाड़ाः हजारों महिलाओं से लाखों की ठगी

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में लघु उद्योग योजना के नाम पर 2250 महिलाओं से करीब 33 लाख रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि एक एनजीओ के नाम पर महिला उत्थान समिति बनाकर गांव-गांव से महिलाओं को जोड़ा गया और उन्हें स्वरोजगार का सपना दिखाकर पैसे वसूले गए।

यह मामला थाना जारचा क्षेत्र के ततारपुर गांव की रहने वाली रेखा रानी द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के बाद सामने आया है। पीड़िता के अनुसार, पड़ोसी गांव चौना निवासी फतेह सिंह ने उसका परिचय बागपत के रहने वाले जितेंद्र, रविंद्र और सौरभ जैन से कराया था। इन लोगों ने खुद को केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त महिला उत्थान समिति का सदस्य बताते हुए लघु उद्योग योजना शुरू करने की बात कही थी।

इस योजना के अनुसार, प्रत्येक महिला को 1,900 रुपये देकर समूह की सदस्यता लेनी थी।

एक समूह में 14 महिलाएं रखी जातीं और बाद में हर सदस्य को 10,000 रुपये का लोन दिए जाने का वादा किया गया था। यह राशि मासिक 167 रुपये की किस्तों में चुकानी थी। इसी योजना के अंतर्गत 2250 महिलाओं से कुल मिलाकर 33 लाख रुपये वसूले गए, लेकिन किसी को भी वादा किया गया पैसा नहीं मिला। जब लंबे समय तक कोई सहायता नहीं मिली और योजनाएं धरातल पर नहीं उतरीं, तो पीड़ित महिलाओं ने स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंचीं थी।

बाद में अदालत के निर्देश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

पुलिस अधिकारी का कहना है कि आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें पूछताछ के लिए तलब किया जाएगा। यह मामला न केवल आर्थिक धोखाधड़ी का है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के भरोसे और आत्मनिर्भरता की उम्मीद के साथ भी बड़ा धोखा है।

संक्षिप्त समाचार

22 मई को 103 स्टेशनों का लोकार्पण करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमृत भारत स्टेशन योजना के पहले फेज में तैयार 103 स्टेशनों का लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण कार्यक्रम 22 मई को आयोजित किया गया है। रेलवे ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत यात्री सुविधाओं में विस्तार किया है। रेलवे स्टेशनों को नए तरीके से सजाया और संवारा गया है। इसमें देशभर के सभी राज्यों के प्रमुख स्टेशन शामिल हैं। मध्य प्रदेश के जबलपुर मंडल में कटनी साउथ और श्री धाम स्टेशन भी इसमें शामिल हैं।

आंध्रप्रदेश के मंत्री लोकेश ने परिवार समेत की पीएम मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली।

आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने अपने परिवार के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक आधिकारिक ने कहा कि मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने युवगलम की पहली प्रति का अनावरण किया। यह एक कॉफी-टेबल बुक है, जिसमें 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले आंध्र प्रदेश में लोकेश की 3,132 किलोमीटर की पदयात्रा का वर्णन किया गया है। पीएम मोदी ने पुस्तक की एक प्रति पर हस्ताक्षर कर उसे लोकेश को भेंट की और लोकेश की पत्नी ब्रह्माणी और पुत्र देवांश को आशीर्वाद भी दिया। रिपोर्ट में अधिकारी के मुताबिक लोकेश ने विकसित भारत 2047 विजन में आंध्र प्रदेश के योगदान को लेकर पीएम मोदी से मार्गदर्शन मांगा और राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास में उनके नेतृत्व के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

दिल्ली में खुला पहला 'ब्रेन हेल्थ क्लिनिक' मस्तिष्क संबंधी बीमारियों का होगा इलाज

नई दिल्ली। दिल्ली में पहला 'ब्रेन हेल्थ क्लिनिक' शुरू हो गया है। ब्रेन हेल्थ क्लिनिक एक विशेष चिकित्सा केंद्र है जिसमें मस्तिष्क से संबंधित बीमारियों का इलाज और देखभाल की जाती है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि यह क्लिनिक द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल में खोला गया है और इसका उद्घाटन दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि इस क्लिनिक का उद्देश्य अगले एक साल में जिला स्तर पर लोगों को तंत्रिका संबंधी इलाज उपलब्ध कराना है। एक बयान में कहा गया कि भारत की मस्तिष्क स्वास्थ्य पहल के तहत नीति आयोग के समर्थन और तकनीकी सहयोगी मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान की मदद से शुरू किए गए इस क्लिनिक में मस्तिष्काघात, मिर्गी, तंत्रिका संबंधी विकार पार्किंसंस, स्मृति कमजोर होने संबंधी डिमेंशिया, माइग्रेन और अन्य मानसिक रोगों की जांच और इलाज की सुविधा मिलेगी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि यह सिर्फ एक सुविधा नहीं, बल्कि एक मिशन है। ऐसे केंद्र हर जिले में खोले जाएंगे।

सऊदी अरब में फंसे बिहार-यूपी और बंगाल के 400 मजदूर

पीएम और सीएम से लगाई वतन वापसी की गुहार

गोपालगंज।

सऊदी अरब के यानबू स्थित सेंडन इंटरनेशनल कंपनी लिमिटेड में काम कर रहे बिहार और उत्तर प्रदेश के 400 से अधिक श्रमिक गंभीर संकट में हैं। इनमें गोपालगंज, सीवान, छपरा समेत विभिन्न जिलों के मजदूर शामिल हैं। श्रमिकों का आरोप है कि कंपनी ने पिछले 8 माह से उन्हें वेतन और ठीक से भोजन नहीं दिया है। इतना ही नहीं उन्हें घर लौटने की भी अनुमति नहीं दी जा रही है। अब इन मजदूरों ने वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से वतन वापसी की अपील की है। जानकारी के अनुसार इन श्रमिकों ने भारतीय दूतावास से भी मेल और फोन के माध्यम से कई बार संपर्क किया, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। मजदूरों का कहना है कि अगर जल्द मदद नहीं मिली तो उनकी स्थिति और खराब हो सकती है। बताया गया कि सेंडन इंटरनेशनल एक निर्माण और संबद्ध सेवाओं की कंपनी है, जो तेल, गैस, उर्वरक, बिजली और परिवहन जैसे क्षेत्रों में काम करती है। कंपनी की स्थापना 1994 में हुई थी और इसका मुख्यालय यानबू, सऊदी अरब में है। फंसे हुए मजदूरों में गोपालगंज के धमपाकड़ गांव के राजकिशोर कुमार, भगवानपुर एकडंगा गांव के बलिंदर सिंह, फतेहपुर दीघा के दिलीप कुमार चौहान, राजेंद्र नगर मोहल्ले के शैलेश कुमार चौहान, बालेपुर बथुआ बाजार के ओमप्रकाश सिंह, सीवान के उमेश साह, रवि कुमार, राजीव रंजन और हरिंदर चौहान शामिल हैं। सभी ने सरकार से जल्द राहत की गुहार लगाई है। इनके परिजनों ने जिलाधिकारी और गोपालगंज के सांसद डॉ आलोक कुमार सुमन को भी आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

फुटबॉल मैच के दौरान बेकाबू कार भीड़ में घुसी, 13 घायल

बार्सिलोना, एजेंसी। स्पेन के बार्सिलोना शहर में एक फुटबॉल मैच के दौरान एक कार अचानक बेकाबू होकर स्टेडियम के बाहर खड़ी भीड़ में घुस गई। इस हादसे में 13 लोग घायल हो गए। कातालोनिया पुलिस ने इसे एक दुर्घटना करार दिया। यह घटना बार्सिलोना और उनके प्रतिद्वंद्वी एस्पेनयोल के बीच खेले गए मुकाबले के शुरुआती मिनटों में हुई।

अहमदी समुदाय के डॉक्टर की पाकिस्तान में उन्मादी तत्वों ने की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अहमदी अल्पसंख्यक समुदाय के एक वरिष्ठ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. शेख महमूद (58) को उनके धर्म के कारण गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना लाहौर से 200 किमी दूर सरगोधा के एक निजी अस्पताल में हुई। पुलिस के अनुसार, एक युवक ने डॉ. महमूद के क्लिनिक में घुसकर उन पर गोलियां चला दीं।

ब्रिटेन के पुराने सैन्य अड्डे पर आग लगने से दो अग्निशमन कर्मियों समेत तीन की मौत,

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में बंद हो चुके सैन्य अड्डे पर आग लगने की घटना में दो अग्निशमन कर्मी और एक नागरिक की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल दो दमकलकर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस अड्डे का उपयोग अब विमानन और मोटर स्पोर्ट्स के इतिहास को याद करने के लिए किया जाता है। हादसा ऑक्सफोर्ड के पास बिसेस्टर में पूर्व रॉयल एयर फोर्स बेस के एक बड़े गोदाम में हुआ। मीलों तक धुएं का विशाल गुबार देखा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाकों की आवाजें भी सुनी गई। ऑक्सफ़ोर्डशायर के मुख्य अग्निशमन अधिकारी रॉब मैकडॉगल बयान देते समय भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि दमकलकर्मियों की बहादुरी पर उन्हें बेहद गर्व है। बिसेस्टर मोशन में लगी आग के बाद इलाके के निवासियों को घर के अंदर रहने की चेतावनी भी दी गई। प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने हादसे को विनाशकारी बताया। उन्होंने अग्निशमन कर्मियों की अद्भुत बहादुरी की सराहना कर कहा, उम्मीद है कि अस्पताल में भर्ती लोग पूरी तरह और शीघ्र स्वस्थ हो जाएंगे।

इंडोनेशिया के पापुआ में हिंसक संघर्ष; 2 पुलिसकर्मियों समेत 20 की मौत

जयापुरा, एजेंसी। इंडोनेशिया के अशांत पापुआ क्षेत्र में सुरक्षा बलों और विद्रोही लड़ाकों के बीच हुए संघर्ष में कम से कम 18 विद्रोहियों और 2 पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई है। अधिकारियों और विद्रोही खेमे ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी दी है। सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इवान द्वी प्रिहार्तोनो ने बताया कि बुधवार को संघर्ष तब शुरू हुआ, जब सैन्य श्रेणी के हथियारों और तीरों से लैस दर्जनों विद्रोहियों ने हिंसा प्रभावित इंतान जया के गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं देने की तैयारी कर रहे सुरक्षा बलों पर हमला कर दिया। प्रिहार्तोनो ने एक वीडियो संदेश में कहा, स्थिति तब बदल गई, जब एक सशस्त्र समूह ने दर्जनों सैनिकों पर घात लगाकर हमला कर दिया। उस समय हमने नपी-तुली और सटीक जवाबी कार्रवाई की। प्रिहार्तोनो ने बताया कि संघर्ष के बाद सुरक्षा बलों ने एक सैन्य राइफल, एक देसी राइफल, कई तीर, गोला-बारूद और एक 'मॉर्निंग स्टार' झंडा (अलगाववाद का प्रतीक) जब्त किया। उन्होंने दावा किया कि संघर्ष में कोई सुरक्षा कर्मी हताहत नहीं हुआ। 'फ्री पापुआ मूवमेंट' की सशस्त्र शाखा 'वेस्ट पापुआ लिबरेशन आर्मी' के प्रवक्ता सेबी सैम्बोम ने कहा कि उसके केवल तीन लड़ाके मारे गए हैं। उन्होंने दावा किया कि बाकी मृतक 'निर्दोष नागरिक' थे, जो सुरक्षा बलों की गोलीबारी में मारे गए। सैम्बोम ने कहा कि विद्रोहियों ने समूह के एक प्रमुख सदस्य बुमिवालो एनुम्बी की मौत का बदला लेने के लिए शुक्रवार को पड़ोसी क्षेत्र पुनकक जया में 2 पुलिस अधिकारियों की हत्या कर दी।

बचाव पक्ष की शिकायत के बाद जज ने ज्यूरी को किया बर्खास्त,

ओटावा, एजेंसी। पांच हॉकी खिलाड़ियों द्वारा एक महिला का यौन शोषण किए जाने के मामले की सुनवाई कर रहीं जज ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई से जुड़ी ज्यूरी को बर्खास्त कर दिया। जज को बचाव पक्ष के वकीलों के व्यवहार को लेकर शिकायत मिली थी, जिसके बाद जज ने ज्यूरी को बर्खास्त कर खुद इस मामले की सुनवाई करने का फैसला किया है। ओंटारियो सुपीरियर कोर्ट की जस्टिस मारिया कोरोसिया को शिकायत मिली थी कि बचाव पक्ष के वकील ज्यूरी को देखकर हंसे। हालांकि वकीलों ने आरोपों से इनकार किया है। जज ने भी माना कि उन्होंने वकीलों का कोई आपत्तिजनक व्यवहार नहीं देखा, जिससे उन्हें चिंता हो, लेकिन जज का मानना है कि ज्यूरी के मन में बचाव पक्ष के वकीलों को लेकर जो नकारात्मकता है, वह मामले की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में जज ने ज्यूरी को बर्खास्त कर खुद सुनवाई का फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि कनाडा की जूनियर हॉकी टीम के सदस्य रहे माइकल मैकलोड, डिलन डयूब, कार्टर हार्ट, काल फूटे और एलेक्स फॉरमेंटन पर बीते साल एक 20 वर्षीय युवती का यौन शोषण करने का आरोप लगा था। ये खिलाड़ी एक वर्ल्ड जूनियर टूर्नामेंट के लिए ओंटारियो में थे।

टॉयलेट के रास्ते जेल से फरार हुए 10 कैदी

पीछे लिख गए ये खास संदेश

न्यू ऑरलियन्स, एजेंसी। अमेरिका में न्यू ऑरलियन्स की जेल से शुक्रवार रात 10 कैदियों ने सनसनीखेज तरीके से भाग निकलने में कामयाबी हासिल की। उन्होंने एक सेल के टॉयलेट के पीछे बने छेद से बाहर निकलकर दीवार फांद ली, जबकि उस समय वहां तैनात एकमात्र गार्ड खाना लेने गया था। स्थानीय शेरिफ का कहना है कि इसमें जेल के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत हो सकती है। कुल मिलाकर 8 कैदी, जिनमें हत्या के आरोपी भी शामिल हैं, अभी भी फरार हैं। बता दें कि इस जेल में कुल 1400 कैदी बंद हैं।

3 कर्मचारी जांच पूरी होने तक निलंबित : शेरिफ ऑफिस ने मीडिया के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सर्विलांस फुटेज शेयर की, जिसमें कैदी जेल से भागते दिख रहे हैं। कुछ कैदियों ने जेल के नारंगी रंग के कपड़े पहने हुए थे, तो कुछ सफेद कपड़ों में थे। उन्होंने कांटेदार तारों से बचने के लिए कंबल का इस्तेमाल कर बाड़ फांदी। इनमें से कुछ को पास की सड़क पर दौड़ते देखा गया। टॉयलटे के पीछे जिस छेद से कैदी भागे थे उसके ऊपर टू इजी लोल लिखा हुआ था और एक तीर छेद की ओर इशारा कर रहा था। 3 कर्मचारियों को जांच पूरी होने तक निलंबित किया गया है।

कैदियों के भागने का पता कैसे चला?: कैदियों के भागने का पता सुबह 8 : 30 बजे नियमित गिनती के दौरान चला, जो उनके भागने के 7 घंटे बाद हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि जिस सेल पॉड में कैदी थे, वहां कोई डिप्टी मौजूद नहीं था। एक सिविलियन टेक्नीशियन थी, जो पॉड की निगरानी कर रही थी, लेकिन वह खाना लेने गई थी। शेरिफ सुसान हटसन ने बताया कि कैदियों ने खराब हो चुके तालों का फायदा उठाया। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से जेल की खराब स्थिति और तालों की मरम्मत के लिए फंड की मांग कर रही थीं। हटसन ने यह भी कहा कि बिना अंदरूनी मदद के इस जेल से भागना लगभग असंभव है।

भागने के कुछ समय बाद पकड़े गए 2 कैदी : कैदियों ने रात 1 बजे जेल से बाहर निकलते ही अपनी जेल यूनिफॉर्म उतार दी। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि कुछ कैदियों ने इतनी जल्दी साधारण कपड़े कैसे हासिल किए। भागने के कुछ समय बाद ही 20 साल के केंडल माइल्स को फ्रेंच क्वार्टर में थोड़ी भागदौड़ के बाद पकड़ लिया गया। माइल्स पहले 2 बार जुवेनाइल डिटेंशन सेंटर से भाग चुका है। शुक्रवार शाम तक एक अन्य कैदी, रॉबर्ट मूडी को क्राइमस्टॉपर्स की सूचना के आधार पर न्यू ऑरलियन्स में पकड़ा गया।

फरार कैदियों में कौन-कौन हैं शामिल? : फरार कैदियों की उम्र 19 से 42 साल के बीच है, जिनमें ज्यादातर 20 के दशक में हैं। एक कैदी, डेरिक ग्रोव्स को पिछले साल 2018 के मार्डी ग्रास डे की गोलीबारी में 2 लोगों की हत्या और 2 अन्य की हत्या के प्रयास के लिए दोषी ठहराया गया था। उस पर एक जेल कर्मचारी पर हमले का भी आरोप है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि वह अपनी हत्या के मुकदमे के गवाहों तक पहुंचने की कोशिश कर सकता है। एक अन्य कैदी, कोरी बॉयड, पर दूसरी डिग्री की हत्या का आरोप है, जिसके लिए उसने दोषी नहीं होने की बात कही है।

लोगों की जिंदगियां खतरे में डाल दी : शेरिफ हटसन ने कहा कि पुलिस स्थानीय, राज्य और फेडरल कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर फरार कैदियों की तलाश कर रही है। ऑरलियन्स पैरिश डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी जेसन विलियम्स ने इसे शेरिफ और जेल प्रशासक की सबसे बुनियादी जिम्मेदारी में पूरी तरह विफलता बताया। उन्होंने शेरिफ ऑफिस की आलोचना की कि उन्होंने कई घंटों तक अधिकारियों और जनता को भागने की सूचना नहीं दी। विलियम्स ने कहा, इन नाकामियों ने लोगों की जिंदगियां खतरे में डाल दी हैं। उन्होंने बताया कि कुछ भागे हुए कैदियों ने गवाहों को धमकाने की कोशिश की थी।

पड़ोसी राज्यों को किया गया सतर्क : लुइसियाना की अटॉर्नी जनरल लिज मुरिल ने कहा कि कैदियों को देश के किसी भी हिस्से में पहुंचने का समय मिल गया है। उन्होंने पड़ोसी राज्यों को सतर्क किया। न्यू ऑरलियन्स पुलिस डिपार्टमेंट की सुपरिटेंडेंट ऐनी कर्कपैट्रिक ने कहा कि उनकी एजेंसी ने एफबीआई और यू.एस. मार्शल्स के साथ मिलकर पूरी ताकत से जवाबी कार्रवाई शुरू की है। उन्होंने कहा कि वे उन लोगों की पहचान और सुरक्षा पर ध्यान दे रहे हैं, जो इन कैदियों के मुकदमों में गवाह हो सकते हैं या खतरे में हैं। एक परिवार को उनके घर से हटाया गया है।

बुरी हालत में है न्यू ऑरलियन्स की जेल : न्यू ऑरलियन्स की जेल पिछले एक दशक से फेडरल निगरानी के तहत है, जिसका मकसद हालात सुधारना था। 2015 में पुरानी ऑरलियन्स पैरिश प्रिजन, जहां भागने की कई घटनाएं और हिरासत में मौतें हुई थीं, को बदलकर ऑरलियन्स जस्टिस सेंटर बनाया गया। लेकिन सुरक्षा समस्याएं और हिंसा बनी रही। 2013 में एक फेडरल जज ने जेल को असंवैधानिक बताया था। शेरिफ सुसान हटसन ने कहा कि जेल में कर्मचारी कम पड़ रहे हैं और यह केवल 60 प्रतिशत स्टाफ के साथ चल रही है।

जेल में कई हाई सिक्योरिटी कैदी हैं : ऑरलियन्स पैरिश शेरिफ कार्यालय की मुख्य वित्तीय अधिकारी बियांका ब्राउन ने कहा कि उनके पास टूटे दरवाजों, तालों की मरम्मत और अन्य खराब बुनियादी ढांचे के लिए रखरखाव और सर्विस कॉन्ट्रैक्ट का खर्च उठाने के लिए पैसे नहीं हैं। शेरिफ कार्यालय के सुधार प्रमुख जे मैलेट ने कहा कि जेल में कई हाई सिक्योरिटी कैदी हैं, जिनके लिए जरूरी प्रतिबंधित हाउसिंग उपलब्ध नहीं है। शेरिफ कार्यालय दर्जनों कैदियों को अधिक सुरक्षित जगहों पर ट्रांसफर करने की प्रक्रिया में था।

ब्रिटेन में मिर्जापुर के राज मिश्रा बने वेलिंगबोरो शहर के मेयर

लंदन, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के एक किसान के बेटे को ब्रिटेन के वेलिंगबोरो शहर का नया मेयर चुना गया है। वेलिंगबोरो ब्रिटेन के ईस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में स्थित है। उन्हें इस महीने की शुरुआत में स्थानीय नगर पार्षद चुना गया था। राज मिश्रा (37) छह मई को हुए स्थानीय चुनाव में शहर के विक्टोरिया वार्ड से निर्वाचित हुए थे और मंगलवार को नगर परिषद की वार्षिक बैठक में वेलिंगबोरो के पांचवें मेयर चुने गए।

राज के मेयर चुने जाने की खबर से मिर्जापुर में उनके मित्रों और परिवार के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। मिश्रा ने एक बयान में कहा, वेलिंगबोरो के मेयर के रूप में सेवा करना सम्मान की बात है। मैं एक जीवंत, समावेशी और समृद्ध समुदाय के लिए सभी निवासियों के साथ मिलकर काम करने की खातिर प्रतिबद्ध हूं। हम सब मिलकर अपने शहर के लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण करेंगे।

राज मिश्रा उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के भटेवरा गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता मुन्ना लाल मिश्रा किसान हैं राज 9 भाइयों और बहनों में छठे नंबर पर हैं। राजकुमार की शादी प्रतापगढ़ की रहने वाली अभिषेकता मिश्रा से हुई है, उनकी पत्नी इंजीनियर है, उनके 2 बच्चे हैं।

राज मिश्रा 6 साल पहले एमटेक की पढ़ाई करने लंदन गए थे। वहां उन्होंने ना केवल पढ़ाई पूरी की बल्कि राजनीति में भी अपनी पहचान बनाई।

इजरायल ने यमन में हूतियों को बनाया निशाना, 2 बंदरगाहों पर किया घातक हमला

दीर अल-बलाह, एजेंसी। इजरायल की सेना ने शुक्रवार को कहा कि उसने यमन में 2 बंदरगाहों पर हमला किया है। सेना ने कहा कि ये बंदरगाह हूती आतंकवादी समूह के नियंत्रण में थे। इजरायली सेना ने दावा किया कि होदेदा और सालिफ बंदरगाहों का उपयोग हूती द्वारा हथियार ले जाने के लिए किया जाता था। इजरायली हमलों में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। इससे पहले शुक्रवार को इजरायल द्वारा गाजा पर किए गए हमलों में 108 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि शुक्रवार के हवाई हमलों में 27 महिलाएं और 31 बच्चे मारे गए तथा सैकड़ों अन्य घायल हुए हैं।

कई घंटों तक होते रहे हमले : इजरायल ने शुक्रवार को कहा कि वह गाजा में आतंकवादियों के खिलाफ अपना अभियान जारी रखे हुए है और पिछले दिन उसने 150 ठिकानों पर हमले किए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमले शुक्रवार सुबह कई घंटों तक होते रहे और लोगों को जबालिया शरणार्थी शिविर एवं बेत लाहिया शहर से भागना पड़ा। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से जारी हमलों में 130 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

मिशन पूरा करेगा इजरायल : इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पहले ही कह चुके हैं कि हमास को खत्म करने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए वो गाजा में हमलों को और तेज करेंगे। नेतन्याहू ने हाल ही में कहा था कि उनकी सेनाएं कुछ ही दिनों में पूरे बल के साथ गाजा में प्रवेश करेंगी और ''मिशन पूरा करेंगी, जिसका मतलब है हमास का विनाश। यह स्पष्ट नहीं है कि शुक्रवार के हमले इस अभियान की शुरुआत हैं या नहीं।

सेना ने तेज किया अभियान : इजरायली सरकार के प्रवक्ता डेविड मेन्सर ने शुक्रवार को 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि इजरायली सेना अपने अभियान तेज कर रही है। उन्होंने कहा कि इजरायल ने अभियान को तब से तेजी दी है जब से हमास ने बंधकों को रिहा करना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा, ''हमारा उद्देश्य उन्हें (बंधकों को) वापस घर लाना और हमास को सत्ता से हटाना है। उन्होंने कहा कि इजरायल बातचीत के दौरान हमास पर दबाव बनाना जारी रखेगा, नतीजे मिल रहे हैं।

ऐसे शुरू हुई जंग : इजराइल और गाजा के बीच यह युद्ध सात अक्टूबर 2023 को शुरू हुआ था, जब हमास के नेतृत्व में आतंकवादियों ने दक्षिणी इजरायल में घुसपैठ कर 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी। इसके जवाब में इजरायल ने व्यापक सैन्य कार्रवाई की, जिसमें गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक 53,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इनमें से लगभग 3,000 की मौत 18 मार्च को युद्ध विराम टूटने के बाद हुई है। हमास ने सात अक्टूबर को इजरायल पर हमले के दौरान बंधक बनाए गए लगभग 250 लोगों में से 58 लोगों को अब भी बंधक बना रखा है। इनमें से 23 के अब भी जीवित होने का अनुमान है। हालांकि, इजरायली अधिकारियों ने उनमें से तीन की स्थिति के बारे में संदेह व्यक्त किया है।

रूस से लेकर अफगानिस्तान तक चलेगी ट्रेन, जानें क्या है ट्रांस-अफगान रेलवे परियोजना जिसका सर्वे 2026 तक होगा पूरा

मॉस्को, एजेंसी। रूस और उज्बेकिस्तान ट्रांस-अफगानिस्तान रेलवे परियोजना के लिए अफगानिस्तान में संभावना तलाश रहे हैं। इसके लिए सर्वेक्षण कर रहे हैं, अगर सबकुछ ठीक रहा, तो भूमि से घिरे मध्य एशियाई देशों को भारतीय उपमहाद्वीप तक पहुंच प्रदान करेगी। रूस के शीर्ष मंत्रियों ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी दी है। उप प्रधानमंत्री एलेक्सी ओवरचुक ने 16वें अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच 'रूस-इस्लामिक वर्ल्ड : काजान फोरम 2025' में कहा कि ट्रांस-अफगान रेलवे के लिए किया जाने वाला सर्वेक्षण 2026 में पूरा हो जाएगा।

जुड़ेंगे ये देश : ट्रांस-अफगान परिवहन कॉरिडोर यूरोपीय संघ (ईयू), रूस, उज्बेकिस्तान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया को जोड़ेगा। उज्बेकिस्तान का दक्षिणी शहर टर्मेज तत्कालीन सोवियत संघ द्वारा निर्मित रेल मार्ग के माध्यम से पहले से ही उत्तरी अफगानिस्तान के खैरातन से जुड़ा हुआ है।

रेलवे विशेषज्ञ कर रहे हैं काम : समाचार एजेंसी 'इंटरफैक्स' ने ओवरचुक के हवाले से कहा, रूस और उज्बेकिस्तान के रेलवे विशेषज्ञ मिलकर ट्रांस-अफगान रेलवे परियोजना के फिजिबिलिटी सर्वे का मसौदा तैयार कर रहे हैं। हम उम्मीद कर रहे हैं कि सर्वे 2026 की शुरुआत में पूरा हो जाएगा, ताकि इसके कार्यान्वयन के सिलसिले में फैसला लिया जा सके।

बदल जाएगा पूरे क्षेत्र का परिवहन भूगोल : सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' की खबर में रूस के उप परिवहन मंत्री दमित्री जेवरेव के हवाले से दावा किया गया है कि ट्रांस-अफगान मार्ग पूरे क्षेत्र के भूगोल और परिवहन भूगोल को बदल देगा। जेवरेव ने मुस्लिम-बहुल तातारस्तान की राजधानी काजान में आयोजित 'रूस-इस्लामिक वर्ल्ड : काजान फोरम 2025' में कहा, बहुपक्षीय कार्य समूह का आभार, जिसकी वजह से अफगानिस्तान में सर्वेक्षण किया जा रहा है। उज्बेक रेलवे इसमें अपने रूसी सहयोगियों के साथ मिलकर सर्वेक्षण कर रहा है। 'इंटरफैक्स' की खबर के अनुसार, परियोजना में रूस की भागीदारी के सिलसिले में एक प्रारंभिक समझौता अप्रैल 2024 में उज्बेक राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव की मॉस्को यात्रा के दौरान हुआ था। खबर के मुताबिक, उज्बेकिस्तान के परिवहन मंत्रालय ने पहले कहा था कि ट्रांस-अफगान रेलवे के निर्माण में कम से कम पांच साल लगेंगे और परियोजना की अनुमानित लागत 4.8 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती है।

अमेरिका के सेंट लुइस में आए बवंडर और भीषण तूफान के कारण कम से कम चार लोगों की मौत

सेंट लुइस, एजेंसी। अमेरिका के सेंट लुइस में बवंडर और भीषण तूफान के कारण कम से कम चार लोगों की मौत हो गई तथा फंसे हुए या घायल लोगों का पता लगाने के लिए तलाश एवं बचाव अभियान जारी है। शुक्रवार अपराह्न आए तूफान के कारण इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं, पेड़ एवं बिजली के तार और खंभे गिर गए। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। सेंट लुइस की मेयर कैरा स्पेंसर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कम से कम चार लोगों की मौत होने की पुष्टि की।

स्पेंसर ने कहा, ''यह वाकई विनाशकारी है।'' उन्होंने कहा कि शहर में आपात स्थिति घोषित करने की प्रक्रिया जारी है। 'नेशनल वेदर सर्विस' ने संकेत दिया कि सेंट लुइस क्षेत्र मे मिसौरी के क्लेटन में अपराह्न दो बजकर 30 मिनट से दो बजकर 50 मिनट के बीच एक बवंडर आया।

मौसम वैज्ञानिकों ने पूर्वानुमान जताया है कि शुक्रवार को अप्पालाचिया समेत कई जगह बवंडर, ओलावृष्टि और भीषण तूफान की आशंका है। मौसम विभाग ने शुक्रवार शाम को इलिनोइस के मैरियन के आसपास दुर्लभ बवंडर आपातकाल की चेतावनी दी और कहा कि बवंडर की पुष्टि हो गई है और यह जानलेवा है।

गंभीर तूफान की चेतावनी : 'नेशनल वेदर सर्विस' के अनुसार, मिसौरी के क्लेटन क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर 2 : 30 से 2 : 50 बजे के बीच बवंडर देखा गया। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अप्पालाचिया समेत कई क्षेत्रों में बवंडर, ओलावृष्टि और गंभीर तूफान की आशंका बनी हुई है। इसके अलावा, मौसम विभाग ने शुक्रवार शाम को इलिनोइस के मैरियन क्षेत्र में दुर्लभ और जानलेवा बवंडर आपातकाल की चेतावनी जारी करते हुए कहा कि वहां एक खतरनाक बवंडर की पुष्टि हो चुकी है

युद्ध के दौरान इजराइली सेना को एआई सेवाएं दीं : माइक्रोसॉफ्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी 'माइक्रोसॉफ्ट' ने स्वीकार किया कि उसने गाजा में युद्ध के दौरान इजराइली सेना को उन्नत कृत्रिम मेधा (एआई) और 'क्लाउड कंप्यूटिंग' सेवाएं बेचीं जिसने इजराइली बंधकों का पता लगाने एवं उन्हें बचाने के प्रयासों में सहायता की लेकिन कंपनी ने यह भी कहा कि उसे आज तक इस बात का कोई सबूत नहीं मिला है कि उसके 'एज्योर' मंच एवं एआई प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल गाजा में लोगों को निशाना बनाने या उन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया।

'माइक्रोसॉफ्ट' की कॉरपोरेट वेबसाइट पर एक 'ब्लॉग पोस्ट' में यह बात स्वीकार की गई है। इस पोस्ट के नीचे किसी के हस्ताक्षर नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह युद्ध में कंपनी की भागीदारी की पहली सार्वजनिक स्वीकृति है। हमास द्वारा इजराइल में लगभग 1,200 लोगों की हत्या किए जाने के बाद यह युद्ध शुरू हुआ था और इसके कारण इजराइली जवाबी कार्रवाई में गाजा में हजारों लोग मारे गए।

'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) द्वारा करीब तीन महीने पहले की गई जांच में सामने आया था कि अमेरिकी कंपनी 'माइक्रोसॉफ्ट' की इजराइली रक्षा मंत्रालय के साथ घनिष्ठ साझेदारी है और सात अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमले के बाद वाणिज्यिक एआई उत्पादों का सैन्य उपयोग लगभग 200 गुना बढ़ गया था।

एपी ने बताया था कि इजराइली सेना बड़े पैमाने पर निगरानी के माध्यम से एकत्र की गई खुफिया जानकारी को लिखने एवं अनुवाद करने के लिए 'एज्योर' का उपयोग करती है। यह साझेदारी इजराइल, यूक्रेन और अमेरिका सहित विभिन्न देशों में उपयोग के लिए कृत्रिम मेधा उत्पादों को सेनाओं को बेचने के प्रौद्योगिकी कंपनियों के बढ़ते प्रयासों को दर्शाती है। मानवाधिकार समूहों ने चिंता जताई है कि एआई प्रणालियां त्रुटिपूर्ण हो सकती हैं लेकिन इनका उपयोग यह निर्णय लेने में किया जा रहा है कि किसे या किस चीज को लक्षित किया जाए जिसके परिणामस्वरूप निर्दोष लोगों की मौत हो रही है। 'माइक्रोसॉफ्ट' ने बृहस्पतिवार को कहा कि कर्मचारियों की चिंताओं और कई मीडिया खबरों के कारण कंपनी ने आंतरिक समीक्षा शुरू करने और ''अतिरिक्त तथ्यान्वेषण'' के लिए एक बाहरी कंपनी को नियुक्त किया। बयान में बाहरी कंपनी का नाम नहीं बताया गया और न ही उसकी रिपोर्ट की प्रति उपलब्ध कराई गई।

कंपनी के बयान में कहा गया है कि उसने इजराइली सेना को सॉफ्टवेयर, पेशेवर सेवाएं, 'एज्योर क्लाउड स्टोरेज' और अनुवाद सहित 'एज्योर' एआई सेवाएं प्रदान कीं तथा बाहरी खतरों से इजराइली 'साइबरस्पेस' की सुरक्षा करने के लिए उसकी सरकार के साथ मिलकर काम किया। 'माइक्रोसॉफ्ट' ने कहा कि उसने सात अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा बंधक बनाए गए 250 से अधिक लोगों को बचाने में मदद के प्रयास के तहत इजराइल को ''हमारे वाणिज्यिक समझौतों की शर्तों से परे हमारी प्रौद्योगिकियों तक विशेष पहुंच'' और ''सीमित आपातकालीन सहायता'' भी प्रदान की।

कंपनी ने कहा, ''हमारा मानना है कि कंपनी ने अपने सिद्धांतों का सावधानी से और सोच समझकर पालन किया ताकि बंधकों के जीवन को बचाने में मदद मिल सके और साथ ही गाजा में आम नागरिकों की गोपनीयता एवं अन्य अधिकारों का सम्मान भी किया जा सके।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वार्ड में घुसकर डॉक्टर को पीटने से हड़कंप

जूनियर कर्मचारी के साथ काम को लेकर विवाद के बाद परिवार वालों ने सीनियर कर्मचारी की पिटाई कर दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत सिविल अस्पताल अक्सर विवादों में रहता है, और अब वॉर्ड में घुसकर होस्टेस से मारपीट की घटना ने हड़कंप मचा दिया। वरिष्ठ रेसिडेंट डॉक्टर और जूनियर के बीच काम को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद जूनियर के परिवार वालों ने अस्पताल आकर वरिष्ठ डॉक्टर पर हमला कर दिया। इसके बाद पूरा मामला सूरत सिविल पुलिस चौकी तक पहुंच गया।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत सिविल अस्पताल में किडनी बिल्डिंग के सातवें मंजिल पर सर्जरी विभाग है। आज सुबह कुछ लोग अंदर घुस आए और वरिष्ठ रेसिडेंट डॉक्टर पर हमला कर दिया। इस घटना के बाद वार्ड के अंदर डर का माहौल बन गया और हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षा कर्मी और पुलिस भी मौके पर पहुंच गए।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, समर्थ सीनियर रेसिडेंट डॉक्टर हैं और रोहन जूनियर रेसिडेंट डॉक्टर हैं। समर्थ और रोहन के बीच काम को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद रोहन घर चला गया और अपने परिवारजनों को इस घटना की जानकारी दी। इससे रोहन के परिवारजन अस्पताल में आ गए और सीनियर रेसिडेंट डॉक्टर समर्थ पर हमला कर दिया। समर्थ को पीटने के बाद उसके परिवारजन भी वहां पहुंच गए।

सिविल अस्पताल में वार्ड के अंदर हुई मारपीट के बाद उच्च अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए थे। दोनों पक्षों के परिवारजन बड़ी संख्या में सिविल अस्पताल की पुलिस चौकी पहुंच गए थे। पुलिस और सिविल अस्पताल के उच्च अधिकारियों द्वारा इस मामले को फिलहाल टालमटोल कर दिया गया है। जब इस मामले में एक उच्च अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

108 को साइड न देने वाला पकड़ा गया

इमरजेंसी केस लेने जा रही एम्बुलेंस 10 मिनट देर से पहुंची, कार में चल रही म्यूजिक ने मरीज की जान को खतरा पहुंचाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में 17 मई, 2025 को 108 एम्बुलेंस के आगे बीआरटीएस रूट में कार के खड़खड़ाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इमरजेंसी होने के बावजूद भी एम्बुलेंस को साइड नहीं दिया गया था। जिससे मेडिकल इमरजेंसी के कॉल पर जा रही एम्बुलेंस 10 मिनट देर से पहुंची थी। इस मामले में ट्रैफिक विभाग ने तुरंत जांच शुरू की और मोयुनुद्दीन मोहम्मद चांदी वाला नाम के कार चालक को खोजकर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। जबकि कार चालक ने अपने बचाव में कहा कि कार में बच्चे द्वारा चलाए जा रहे म्यूजिक सिस्टम में सायरन की आवाज नहीं सुनाई दी थी।

बीआरटीएस रूट पर कार चलाना गैरकानूनी है। इसके बावजूद कार चालक भेस्तान की ओर जाने वाले बीआरटीएस रूट पर अपनी कार लगातार चला रहा था। बाद में 108 एम्बुलेंस द्वारा लगातार सायरन बजाए जाने के बावजूद भी उसने साइड नहीं दिया और अपनी कार एम्बुलेंस के सामने ही चलाता रहा। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस और ट्रैफिक विभाग ने कार चालक की जांच शुरू की और उसे पकड़ लिया।

13 किलोमीटर की दूरी तय करने में 18 मिनट की बजाय 26 मिनट लग गए

सूरत 108 एम्बुलेंस के मैनेजर अभिषेक ठाकरे ने बताया कि हरिनगर से एम्बुलेंस रवाना हुई थी। 16 तारीख की रात 9ः54 बजे मेडिकल इमरजेंसी कॉल आया था, जिसमें बताया गया कि व्यक्ति बेहोशी की हालत में है। इसलिए 108 की एम्बुलेंस तेजी से हरिनगर से 13 किलोमीटर दूर उस लोकेशन पर पहुंचने के लिए निकली थी। सामान्यतः एम्बुलेंस को यह दूरी तय करने में 17 से 18 मिनट का समय लगता है, लेकिन एम्बुलेंस के सामने बीआरटीएस रूट पर कार चालक ने साइड न देने के कारण 26 मिनट से अधिक समय लग गया। लोकेशन पर पहुंचने में लगभग 10 मिनट अधिक समय लगा।

च्म्यूजिक सिस्टम के कारण आवाज़ नहीं सुनाई दीज

ट्रैफिक विभाग के क्क्द्ध एस.एफ. गोस्वामी ने बताया कि कल एम्बुलेंस के सामने कार चलाने का जो वीडियो वायरल हुआ था, उसकी खोजबीन शुरू की गई थी। पुलिस को पता चला कि वह कार मोयुनुद्दीन महमद चांदीवाला की है, जो बीबी की वाड़ी, रानी तालाब के पास रहता है। पुलिस ने आरोपी के घर जाकर जांच की, नंबर और कार की पहचान की और आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी ने बताया कि कार में उसके बच्चे ने म्यूजिक सिस्टम जोर से चालू कर दिया था, जिससे एम्बुलेंस का सायरन सुनाई नहीं दिया। पुलिस ने नियमों के उल्लंघन पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू

मंत्री बचू खाबड़ की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

सत्ता का दुरुपयोग कर अपने बेटे को लाभ पहुंचाने का गंभीर आरोप लगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दाहोद जिले के देवगढ़बरिया और धनपुर तालुका में मनरेगा के सभी काम मंत्रीपुत्रों की एजेंसी श्री राज ट्रेडर्स और श्री राज कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिए गए थे। इन दोनों एजेंसियों ने पिता के राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया।

इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री तक लिखित शिकायत की गई है। इतना ही नहीं, यह मुद्दा विधानसभा में भी उठाया गया था। इसके बावजूद सरकार की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अंततः मामले की जांच के आदेश दिए गए।

कांग्रेस द्वारा कराई गई जांच में यह निष्कर्ष सामने आया कि जिन स्थानों पर ग्राम विकास एजेंसी के नाम से मनरेगा के कार्य हो रहे थे, वहां झूठे बोर्ड लगाकर गड़बड़ी की गई थी।

देवगढ़ बारिया के तीन गांवों में तो आरसीसी सड़कें बनी ही नहीं थीं, फिर भी मंत्रीपुत्र की एजेंसी को भुगतान कर दिया गया था। कागज़ों पर यह दिखाया गया कि डामर की सड़कें बन गई हैं, जबकि हकीकत में आज भी ये रास्ते उखड़े-खाबड़ हाल में हैं। कुआ और रेढाणा गांव में 339 चेकडैम बनाए ही नहीं गए, फिर भी कागज़ों में उन्हें दिखाकर पूरा भुगतान ले लिया गया। इन गांवों के सरपंचों को भी यह जानकारी नहीं थी कि गांव में कौन से काम हुए हैं।

इन सभी कार्यों के लाखों रुपये का भुगतान कर दिया गया था। कुआ गांव में 17 किलोमीटर के 44 रास्ते और रेढाणा गांव में 13 किलोमीटर सड़कें मंजूर की गई थीं। इन सड़कों की दो बार मंजूरी ली गई, जो अपने आप में संदेहास्पद है।

चेकडैम, तालाब, माटी-मेटल सड़कें ही नहीं, बल्कि हैंडपंप और पानी के बोर भी बिना बनाए लाखों रुपये का भुगतान कर दिया गया।

यह पूरा मामला सामने आने के बाद सरकार को अंततः जांच के आदेश देने पड़े।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि वर्ष 2019 से लेकर 2025 तक मंत्रीपुत्र लगातार एक ही तरीके (मोडस ऑपरेंडी) से भ्रष्टाचार करते आ रहे थे।

सिक्योरिटी कांट्रेक्टर की हत्या के मामले में बिहार से दो आरोपियों की गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अलथाण इलाके में सिक्योरिटी कॉन्ट्रैक्टर की हत्या मामले में अहम खुलासा सामने आया है। अलथाण पुलिस ने बिहार के जगदीशपुर से हत्या करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी रिक्शा चालक रासिद अंसारी और मंसूर अंसारी को पकड़ा है। दोनों आरोपियों को कल शाम तक सूरत लाया जाएगा।

ग्राउंड के सिक्योरिटी गार्ड को 20 हजार रुपये वेतन में दिए थे, जबकि बाकी के 80 हजार रुपये उसके पास ही थे। ये पैसे आरोपी रासिद ने देख लिए थे और एक बहाना बनाकर वह चंद्रभान को उन हयातनगर स्थित एक कमरे पर ले गया। वहां रासिद ने अपने मौसेरे भाई मंसूर के साथ मिलकर चंद्रभान की सिर पर भारी वस्तु और धारदार हथियार से हत्या कर दी। इसके बाद शव के टुकड़े करके उन्हें एक बोरे में भरकर मोपेड पर ले जाकर मिठीखाड़ी इलाके में फेंक दिया और दोनों

इस मामले में मृतक चंद्रभान दुबे आरोपी रिक्शा चालक रासिद के साथ अलथाण आया था। वहां उन्होंने ष्ट क्क पटेल

आरोपी बिहार फरार हो गए। इतना ही नहीं, दोनों आरोपियों ने कॉन्ट्रैक्टर के परिवार को फिरौती के लिए मैसेज भी भेजा था।

युवक दो महिलाओं से विवाह करेगा और उनके तीन संतान विवाह के साक्षी होंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी के खानपुर का एक युवक दो महिलाओं से विवाह करेगा और उनके तीन संतान भी होंगे। माता-पिता के विवाह के साक्षी बनकर यह अनोखी परंपरा आदिवासी समाज में निभाई जाएगी।

गुजरात के नवसारी जिले के वांसदा तालुका में एक युवक की शादी की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। खानपुर गांव के इस युवक की शादी आगामी सोमवार (19 मई, 2025) को दो युवतियों से और अपने तीन संतान के साक्षी बनकर होने जा रही है, जिस कारण लोगों में काफी उत्सुकता देखी जा रही है।

यह शादी आदिवासी समाज की एक अनोखी परंपरा के तहत हो रही है, जिसमें युवक दो महिलाओं से विवाह करता है। आइए जानते हैं इस आदिवासी परंपरा के बारे में।

नवसारी के युवक की शादी की तस्वीर वायरल

बताया जाता है कि मेघराजभाई को खांड़ा गांव की काजल गावित से प्रेम था और उन्होंने वर्ष 2010 में उनसे सगाई की थी। इसके बाद मेघराजभाई को केलिया गांव की रेखा गाइन से भी प्रेम हुआ और वर्ष 2013 में उन्होंने उनसे भी सगाई कर ली थी।

माता-पिता के विवाह में तीन संतान होंगे मौजूद

इसके बाद मेघराजभाई, काजल और रेखा तीनों लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। आपको बता दें कि आदिवासी समाज में कई बार शादी से पहले युवक-युवतियां लिव-इन रिलेशनशिप में रहते हैं। जब उनकी आर्थिक स्थिति ठीक होती है, तभी वे विधिवत रूप से शादी करते हैं।

लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की इस आदिवासी परंपरा को चांदला विधि या फूलहार के नाम से जाना जाता है।

मेघराजभाई के काजल और रेखा से तीन बच्चे हैं। अब जब उनकी शादी होने जा रही है, तो उनके बच्चे भी माता-पिता की शादी की रस्म में मौजूद रहेंगे।

नवसारी जिले के वांसदा तालुका के खानपुर गांव निवासी मेघराजभाई (उम्र 36) की शादी की तस्वीर चर्चा का विषय बनी हुई है। इस शादी में मेघराजभाई दो युवतियों और उनके तीन बच्चों के साक्षी बनकर विवाह करने जा रहे हैं, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

एक मंडप में दो युवतियों के साथ शादी होने वाली है, जिसके कारण मेघराजभाई की शादी की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

इस पर गुजरात के लोग फोन करके पूछताछ कर रहे हैं और इस परंपरा के बारे में जानकारी हासिल कर रहे हैं।

सगीरा के साथ छेड़छाड़ करने वाले वृद्ध की गिरफ्तारी

"तेरी मम्मी का पार्सल मेरे घर आया है" कहकर बुलाया अश्लील फोटो दिखाकर छेड़छाड़ कीं।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में तीन दिन पहले एक वार्षिक युवती को अपने घर बुलाकर छेड़छाड़ करने वाले वृद्ध को महिदरपुरा पुलिस ने अपराध दर्ज कर गिरफ्तार किया है।

तुम्हारी माँ का पार्सल मेरे घर आया है कहकर बुलाया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, वार्षिक युवती ने हाल ही में 12वीं की परीक्षा दी है। पिछले बुधवार दोपहर को आरोपी गणेशकुमार उर्फ गणेशदादा नटरवलाल गिलिटवाला ने उसे फोन किया और कहा कि तुम्हारी माँ का पार्सल मेरे घर आया है, तुम इसे मेरे घर से ले जाओ लेकिन अपनी दादी को इस बारे में मत बताना।

अश्लील फोटो दिखाकर घिनौनी मांगें की थीं जब युवती उसके घर पहुँची, तो गणेशकुमार उर्फ गणेशदादा उसे बेडरूम में ले गया और दरवाज़े का स्टॉपर अंदर से बंद कर दिया। फिर उसने बेडरूम में रखे अश्लील फोटो दिखाए और घिनौनी मांगें कीं। उसके बाद युवती का हाथ पकड़कर उसकी छाती पर हाथ फेरते हुए उसने उसका पहना हुआ शॉर्ट्स भी खींचा था।

शिकायत दर्ज होते ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया जिस तरह से वहां से भागकर निकलने वाली युवती ने इस घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी, उन्होंने कल महिधरपुरा पुलिस थाना में छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर पुलिस ने 68 वर्षीय गणेशभाई उर्फ लल्लू नटवरलाल गिलिटवाला को गिरफ्तार किया और आगे की कार्रवाई शुरू की।

नडियाद में पुलिस की प्रताड़ना से परेशान होकर

घरेलू काम करने वाली महिला ने ज़हर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया,महिला की हालत नाजुक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के खेड़ा जिले के नडियाद शहर में एक गरीब महिला, जो घरेलू काम करके अपना गुजारा करती है, उस पर मकान मालिक ने चोरी का आरोप लगाया। इसके बाद नडियाद रूरल पुलिस पर आरोप है कि उन्होंने वर्दी का डर दिखाकर महिला को चोरी कबूल करवाने के लिए बुरी तरह पीटा। इस घटना से आहत होकर महिला ने ज़हरीली दवा पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया।

इसके बाद पीड़ित महिला को इलाज के लिए नडियाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। महिला के बेटे ने इस मामले की जांच की मांग करते हुए एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज करवाई है।

वन डे चील एंड स्टे पिकनिक हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा सिटी लाइट स्थित अग्रसेन पैलेस में वन डे चील एंड स्टे पिकनिक च्ओ साथी चल, मुझे ले के साथ चल तूज्ज का आयोजन शनिवार सुबह से रविवार सुबह तक किया गया। महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि वन डे एंड वन नाईट में महिलाएं शनिवार को सुबह ग्यारह बजे से रविवार सुबह दस बजे तक भवन पर स्टे किया। इस दौरान महिलाओं के लिए बहुत सारी एक्टिविटीज, मनोरंजक गेम्स जैसे प्लांट एक्टिविटीज, नेल आर्ट, कास्या फुट मसाज, हाउजी, लाइव म्यूजिक, फिजियो थेरापिस्ट, मॉर्निंग में मेडिटेशन आदि रखी गई। आयोजन में महिला शाखा की सरोज अग्रवाल, रुचिका रुंगटा, सीमा कोकड़ा, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, आरती मित्तल, रेनू गोयल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं। आयोजन का उद्देश्य महिलाएं घर के काम में इतना व्यस्त रहती है कि उन्हें अपने लिए वक्त ही नहीं मिल पाता है, इसीलिए उनके मनोरंजन के लिए महाराजा अग्रसेन पैलेस पर ही वन डे एंड नाइट स्टे का आयोजन किया गया।

श्याम मंदिर पर चलाया स्वच्छता एवं सफाई अभियान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में स्वच्छता एवं सफाई का एक विशेष अभियान चलाया गया। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया की मंदिर की ख्याति एवं सुंदरता और भी अधिक सुवासित हो इसके लिए शुक्रवार को सुबह साढ़े छ बजे से साढ़े आठ बजे तक एवं शनिवार को रात्रि साढ़े दस बजे से देर रात्रि तक मंदिर की सफाई की गई।

ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका ने बताया कि शुक्रवार को मंदिर के नीचे का प्रांगण एवं शनिवार को ऊपर के प्रांगण आदि की सफाई की गई। ट्रस्ट द्वारा आयोजित अभियान में ट्रस्ट के अनेकों पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं श्याम भक्त उपस्थित रहें।